E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 91 | प्रयागराज, सोमवार 15 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

8वें वेतन आयोग की शर्तों को मंजूरी,फिटमेंट फैक्टर 3 होने पर रु45 हजार हो जाएगी बेसिक सैलरी

1.24 करोड़ कर्मचारियों-पेंशनर्स को फायदा

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने 8वें वेतन आयोग के नियम और शर्तों यानी टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) को मंजूरी दे दी है। इसके बाद अब करीब 55 लाख सेवारत कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स की सैलरी, पेंशन और भत्तों में बड़े बदलाव की उम्मीद है। वहीं आयोग को अपनी सिफारिशें सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। फिटमेंट फैक्टर क्या है और यह क्यों जरूरी है? फिटमेंट फैक्टर वह गुणांक यानी मल्टीप्लायर है जिसका इस्तेमाल केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की बेसिक सैलरी को रिवाइज करने के लिए किया जाता है। नया सैलरी स्ट्रक्चर तय करने में इसकी भूमिका सबसे जरूरी होती है।7वें वेतन आयोग में 2.57 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया गया था, जो 2016 से प्रभावी हुआ था। इसके तहत अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी रु15,000 थी, तो वह बढ़कर रु38,550 हो गई थी। कितनी बढ़ सकती है कर्मचारियों की इनहैंड सैलरी? सैलरी में होने वाली अंतिम बढ़ोतरी इस बात पर निर्भर करेगी कि आयोग क्या सिफारिश करता है और सरकार किसे मंजूरी देती है। इसे दो अलग-अलग उदाहरणों से समझा जा सकता है- पहला उदाहरण (60फीसदी के आधार पर): मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक पे रु100 है। 60रु महंगाई भत्ता (डीए) मिलाकर उसकी कुल कमाई रु160 हो जाती है।नए फिटमेंट फैक्टर के बाद अगर बेसिक पे दोगुनी होकर रु200 हो जाती है, तो मौजूदा रु160 के मुकाबले उसकी प्रभावी सैलरी में करीब 25फीसदी की बढ़ोतरी होगी। दूसरा उदाहरण (फिटमेंट फैक्टर 3 होने पर): अगर सरकार मौजूदा फिटमेंट फैक्टर को 2.57 से बढ़ाकर 3.0 कर देती है, तो एंट्री-लेवल की बेसिक पे में 15 से 20फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो सकती है। इस स्थिति में रु15,000 की बेसिक सैलरी सीधे रु45,000 हो जाएगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर सरकार कर्मचारी यूनियनों की मांग से कम फिटमेंट फैक्टर भी रखती है, तो भी सरकारी खर्च में बड़ी बढ़ोतरी होगी और कर्मचारियों को अपनी सैलरी में एक सम्मानजनक उछाल देखने को मिलेगा। 7वें वेतन आयोग में कितना हुआ था फायदा? तुलना के लिए 7वें केंद्रीय वेतन आयोग ने सबसे निचले स्तर वेक कर्मचारियों की न्यूनतम सैलरी को बढ़ाकर रु18,000 प्रति महीने किया था। इसके साथ ही नई भर्ती वाले क्लास-1 अधिकारियों की सैलरी को रु56,100 तय किया गया था। इसके कारण 1 जनवरी 2016 से कुल सैलरी और पेंशन में 14.29फीसदी की कुल बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। राज्यों का दौरा कर रही है 8वें वेतन आयोग की टीम-वर्तमान में 8वां वेतन आयोग अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रहा है। आयोग की टीम वहां कर्मचारी एसोसिएशनों और यूनियनों से मुलाकात कर रही है। केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2025 में 8वें वेतन आयोग की शर्तों यानी टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) को मंजूरी दी थी और पैनल को रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया था। हालांकि 7वें वेतन आयोग की जगह 8वें वेतन आयोग को 1 जनवरी 2026 से लागू मान लिया गया है, लेकिन आयोग को अपना काम पूरा करने में करीब 18 महीने का समय लगने की उम्मीद है। आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की आखिरी तारीख को बढ़ाकर 15 जून 2026 कर दिया है। इसके बाद सभी हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) के सुझावों की जांच की जाएगी और अंतिम सिफारिशें तैयार होंगी। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि अगर रिपोर्ट जून-जुलाई 2027 तक सौंपी जाती है, तो सरकार पर एरियर (बकाया) देने की देनदारी काफी बढ़ जाएगी।

सिफारिशें स्वीकार और लागू होने के बाद, केंद्र सरकार बीच की अवधि का पूरा एरियर कर्मचारियों को देगी। फिलहाल कर्मचारी संगठन ज्यादा मल्टीप्लायर और बेहतर रिटायरमेंट फायदों के लिए दबाव बना रहे हैं, जबकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि अंतिम फैसला देश के वित्तीय हालातों को देखकर ही लिया जाएगा। क्या होता है वेतन आयोग ? केंद्रीय वेतन आयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों की सैलरी, भत्तों, पेंशन और अन्य फायदों की समीक्षा करने के लिए गठित एक पैनल होता है। आमतौर पर देश में हर 10 साल में एक नए वेतन आयोग का गठन किया जाता है, जो बदलती अर्थव्यवस्था और महंगाई के हिसाब से सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए सिफारिशें देता है।

मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक डिफेंस सिस्टम का सफलतापूर्वक हुआ टेस्ट, 5000किमी रफ्तार से आ रही मिसाइल को मार गिराएगा, यह तकनीक हासिल करने वाला भारत 5वां देश

नयी दिल्ली। भारत अब लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों, यहां तक कि इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों का भी मुकाबला कर सकता है। डीआरडीओ ने 10 और 11 जून को लगातार 3 फ्लाइट टेस्ट किए गए, जिनमें मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। इसमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) क्लास तक के खतरों समेत बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और बेअसर करने की क्षमता भी शामिल है। यह स्वदेशी तकनीक दुश्मन की मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही नष्ट कर देती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 जून को टेस्टिंग की तस्वीरें एक्स अकाउंट पर शेयर की हैं। इसके साथ-साथ नेवल एंटी शिप मिसाइल-मीडियम रेंज का भी टेस्ट किया गया। इसे भारत की समुद्री स्ट्राइक और डिफेंस स्किल को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। भारत अब उन खास देशों के ग्रुप में शामिल हो गया है, जिनके पास ऑपरेशनल-लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता है। भारत से पहले यह तकनीक अमेरिका, रूस, इजराइल और चीन के पास थी। क्या होती है इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल या आईसीबीएम आसान भाषा में इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल को बहुत लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल कहा जा सकता है। यह ऐसी मिसाइल होती है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक पहुंच सकती है।

आमतौर पर 5,500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार कर सकती है। इसके अलावा यह परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम होती है। यह मिसाइल रॉकेट की तरह ऊपर अंतरिक्ष की ओर जाती है, फिर बहुत ऊंचाई से पृथ्वी की ओर लौटती है और बहुत तेज स्पीड से टारगेट पर हमला करती है। इसी वजह से इसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली रणनीतिक हथियारों में गिना जाता है। मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम को ऐसे समझें-मल्टी लेयर्ड बीएमडी का काम दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल को उसके टारगेट तक पहुंचने से पहले ही मार गिराना है। यह कई लेवल पर काम करता है- जैसे पहले रडार मिसाइल का पता लगाते हैं। कमांड सेंटर खतरे का आकलन करता है। इसके बाद इंटरसेप्टर मिसाइल छोड़ी जाती है, जो हवा में जाकर दुश्मन की मिसाइल को नष्ट कर देती है। बात लेयर्ड मिसाइल डिफेंस की करें तो अगर पहली इंटरसेप्टर मिसाइल लक्ष्य को नष्ट नहीं कर पाती, तो दूसरी परत एक्टिव हो जाती है। यानी एक डिफेंस लेयर फेल हो जाए, तब भी दूसरी लेयर मौजूद रहती है। बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम के फेज-2 का परीक्षण हो चुका-इससे पहले, भारत ने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम के फेज-2 का सफलतापूर्वक फ्लाइट टेस्ट किया था। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) के टेस्ट के तहत ओडिशा के धामरा स्थित लॉन्चिंग कॉम्प्लेक्स एलसी-4 से एक टारगेट मिसाइल लॉन्च की गई। यह मिसाइल दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल जैसी थी। जमीन और समुद्र पर तैनात वेपन सिस्टम रडार ने इसे डिटेक्ट किया और एडी इंटरसेप्टर सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया। ओडिशा के बालासोर जिले में डीआरडीओ के तय मिसाइल टेस्ट से पहले दोनों दिन 11 गांव खाली कराए थे।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले आर्मी चीफ होंगे,जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, दो महीने पहले उप सेना प्रमुख बने थे

नयी दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ देश के अगले आर्मी चीफ होंगे। केंद्र सरकार ने शनिवार को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के लिए उनकी नियुक्ति की मंजूरी दी। सेठ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म होगा। उसी दिन सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ का पद संभालेंगे। वे अभी उप सेना प्रमुख के पद पर हैं। उन्होंने दो महीने पहले, 1 अप्रैल को यह पद संभाला था। उप सेना प्रमुख भारतीय सेना के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी होते हैं। बतौर उप सेना प्रमुख धीरज सेठ आर्मी चीफ के साथ मिलकर सेना के कामकाज, सैन्य तैयारियों और नई तकनीक को शामिल करने जैसे अहम काम देखते हैं। सेना के संचालन और व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से चलाने की जिम्मेदारी भी उनके पास होती है। 40 साल के दौरान कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं-दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन पाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी सीमा और रेगिस्तानी इलाकों समेत कई संवेदनशील क्षेत्रों में अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। धीरज सेठ दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रह चुके हैं। वे उन चुनिंदा अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्होंने पश्चिमी मोर्चे पर दो प्रमुख ऑपरेशनल कमानों का नेतृत्व किया है। इसके अलावा उन्होंने अंगोला में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन, सेना मुख्यालय और सेना के क्षमता विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर भी सेवा दी है। धीरज सेठ मे खड़कवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) और देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) से पढ़ाई की है। इसके अलावा वे वेलिंगटन के डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी), महू के आर्मी वॉर कॉलेज और नई दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज के भी पूर्व छात्र हैं। बाद में उन्होंने फ्रांस के कॉलेज इंटरआर्मे डी डिफेंस में जनरल स्टाफ कोर्स और अमेरिका के नेवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल में इंटरनेशनल डिफेंस एक्विजिशन मैनेजमेंट कोर्स किया। यंग ऑफिसर्स कोर्स में उन्हें 'सिल्वर सेंचुरियन' सम्मान मिला था। उन्होंने जूनियर कमांड कोर्स समेत सेना के कई ट्रेनिंग कोर्सेज में फर्स्ट रैंक हासिल किया। उन्हें साल 2006 में डीएसएससी में अपने कोर्स का बेस्ट ऑल राउंड स्टूडेंट ऑफिसर मेडल मिला था। सेना बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं सेठ-धीरज सेठ सेना के बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल कृष्ण मोहन सेठ भारतीय सेना में एडजुटेंट जनरल के पद से 1997 में रिटायर हुए थे। जनरल कृष्ण मोहन सेठ ने सेना की दो बड़ी और अहम टुकड़ियाW XX। स्ट्राइक कोर और III कोर की कमान भी संभाली थी। धीरज सेठ खेलों में भी गहरी रुचि रखते हैं। उन्हें टेनिस और गोल्फ खेलना पसंद है। उनकी पत्नी का नाम कोमल सेठ है।

पाकिस्तान में पेट्रोल 4 और डीजल 2 रुपया सस्ता,पेट्रोल 373.78 और हाई-स्पीड डीजल 378.78 रुपया लीटर हुआ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 4 रुपया और हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) के दाम में 2 रुपया की कटौती की है।

इससे यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 373.78 रुपया (पाकिस्तानी रुपया) और डीजल की कीमत 378.78 रुपया प्रति लीटर पर आ गई हैं। नई कीमतें आज यानी 13 जून से लागू हो गई हैं।

पांच हफ्तों में कुल 41 रुपया प्रति लीटर कम हुए दाम- पांच हफ्तों में पेट्रोल की कीमत कुल मिलाकर 41 रुपया प्रति लीटर कम हो चुकी है।

इससे पहले यानी पिछले हफ्ते भी सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में 4 रुपया प्रति लीटर की कटौती की थी, हालांकि उस समय हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया था और वह 380.78 रुपया पर स्थिर था। ईंधन की कीमतों पर टैक्स का भारी बोझ-पाकिस्तान सरकार पेट्रोल पर कुल 125 रुपया प्रति लीटर का टैक्स वसूल रही है। इस टैक्स में पेट्रोलियम लेवी, कस्टम ड्यूटी और क्लाइमेट लेवी जैसी चीजें शामिल हैं।

वहीं अगर हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की बात करें तो इस पर सरकार प्रति लीटर करीब 100 रुपया का टैक्स लगा रही है।

इसमें कस्टम ड्यूटी, पेट्रोलियम लेवी और क्लाइमेट सपोर्ट लेवी के साथ-साथ इनलैंड फ्रेड इक्वलाइजेशन मार्जिन (आईएफईएम) भी शामिल है। हर हफ्ते शुक्रवार रात को तय हो रहे दाम-पाकिस्तान सरकार पिछले कुछ समय से हर हफ्ते शुक्रवार रात को पेट्रोलियम कीमतों की समीक्षा कर रही है। दरअसल, 28 फरवरी से अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद से ही पाकिस्तान में ईंधन संकट है।

अमेरिका के फेमस 'केनेडी आर्ट सेंटर' से ट्रम्प का नाम हटेगा, कोर्ट ने बोला- नाम बदलने का हक सिर्फ संसद को

वॉशिंगटन। अमेरिका के सबसे बड़े कल्चरल और ऑर्ट सेंटर में शामिल 'जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स' से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम हटाया जा रहा है। अमेरिकी कोर्ट ने कहा है कि सेंटर का नाम बदलना कानून के खिलाफ था। केनेडी सेंटर अमेरिका का नेशनल आर्ट सेंटर है। यहां हर साल बड़े संगीत कार्यक्रम, नाटक, डांस शो, ओपेरा और दूसरे सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। दुनिया के कई मशहूर कलाकार यहां प्रस्तुति देते हैं। इस सेंटर का नाम अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी के नाम पर रखा गया था। 1963 में उनकी हत्या के बाद अमेरिकी कांग्रेस ने 1964 में इसे उनकी याद में बनाया। इसलिए यह सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि केनेडी की याद में बना राष्ट्रीय स्मारक भी है। विवाद कैसे शुरू हुआ? फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प ने सेंटर के बोर्ड में अपने करीबी लोगों को शामिल किया। बाद में बोर्ड ने सेंटर के नाम में ट्रम्प का नाम जोड़ने का फैसला कर लिया। इसके बाद इमारत पर 'द डोनाल्ड जे. ट्रम्प एंड जॉन एफ. केनेडी मेमोरियल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स' लिखा गया। ओहायो की सांसद जॉयस बीटी ने इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी। उनका कहना था कि केनेडी सेंटर का नाम कांग्रेस (संसद) ने तय किया था, इसलिए उसे बदलने का हक सिर्फ कांग्रेस के पास है। कोर्ट ने उनकी बात मान ली और कहा कि बोर्ड अपने आप नाम नहीं बदल सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि ट्रम्प का नाम इमारत, वेबसाइट, सोशल मीडिया, दस्तावेजों और दूसरी सभी जगहों से हटाया जाए। अब क्या हो रहा है? कोर्ट की तय समय सीमा खत्म होने के बाद कर्मचारी इमारत से ट्रम्प के नाम वाले अक्षर हटाने लगे। ट्रम्प का नाम करीब 176 दिनों तक इस इमारत पर रहा। ट्रम्प का नाम हटाने के फैसले के बाद बड़ी संख्या में लोग केनेडी सेंटर के बाहर पहुंचे और खुशी जताई। केस जीतने वाली सांसद जॉयस बीटी ने कहा कि कानून के खिलाफ लिए गए फैसले को कोर्ट ने सही किया है। ट्रम्प समर्थकों का कहना है कि उनके नाम पर सेंटर के लिए काफी पैसा जुटाया गया है और नाम हटने से उस पर असर पड़ सकता है। लेकिन कोर्ट ने इस दलील को नहीं माना। अब केनेडी सेंटर फिर से अपने पुराने नाम 'जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स' के साथ जाना जाएगा।

मोदी फ्रांस पहुंचे, भारतीय समुदाय ने स्वागत किया

पेरिस/ब्रातिस्लावा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार रात फ्रांस के नीस शहर पहुंचे। होटल में भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पीएम ने बच्चे को गोद में उठाया और दुलार किया। महिलाओं ने पीएम के हाथ को माथे पर लगाया। इसके बाद मोदी ने कल्चरल प्रोग्राम देखा। पीएम मोदी रविवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक किया। साथ ही 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, हेल्थ टेक, मेडिकल टेक्नोलॉजी, एआई, सेमीकंडक्टर और स्पेस टेक्नोलॉजी से जुड़े 12 समझौते हो सकते हैं। भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील पर अहम चर्चा होगी। भारत चाहता है कि इन विमानों में अपने हथियार जोड़ने की सुविधा मिले। इसके लिए सोर्स कोड का मुद्दा भी उठाया जाएगा। डील पर अभी कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की मंजूरी नहीं मिली है। प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद ही इस पर अंतिम फैसला होगा। प्रधानमंत्री 13 से 18 जून तक फ्रांस और स्लोवाकिया के 6 दिनों के दौरे पर हैं। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। उनका फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। वे 13-14 जून तक नीस में रहें। 16 से 17 जून को एवियान में जी7 समिट में हिस्सा लेंगे। 18 जून को पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक सम्मेलन में जाएंगे।

ब्रिटेन में सोशल मीडिया पर बैन जल्द,16 साल से कम उम्र के बच्चों की पहुंच सीमित करने पर विचार

लंदन। ब्रिटेन की कीर स्टार्मर सरकार 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि 18 जून को मेकरफील्ड उपचुनाव से पहले इस संबंध में घोषणा की जा सकती है। यह कदम ऐसे समय पर चर्चा में है, जब सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के भीतर स्टार्मर के नेतृत्व को लेकर असंतोष की खबरें हैं और ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम को पार्टी का संभावित भविष्य का नेता माना जा रहा है। इसके तहत बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की पहुंच सीमित की जा सकती है। हालांकि वॉट्सएप जैसी मैसेजिंग सेवाओं और यूट्यूब किड्स जैसे शैक्षणिक प्लेटफॉर्म को छूट मिल सकती है। सोशल मीडिया प्रतिबंध को लेकर वैश्विक स्तर पर भी बहस तेज है। ऑस्ट्रेलिया ?पहले ही इस तरह का कानून लागू कर चुका है, जबकि कनाडा और यूरोपीय संघ भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मार्च में यूगॉव के सर्वे में 76फीसदी ब्रिटिश नागरिकों ने ऐसे प्रतिबंध का समर्थन किया था, जो प्रमुख यूरोपीय देशों में सबसे अधिक समर्थन माना गया। लेबर नेता एंडी बर्नहैम का ?कहना है कि सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बड़ी टेक कंपनियों को नियंत्रित? करने का समय आ गया है।

नैनी, प्रयागराज में कूरियर सेवा को लेकर ग्राहक ने जताई नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। स्थानीय क्षेत्र के एक ग्राहक ने मदर टेरेसा रोड, नैनी स्थित एक कूरियर सेवा केंद्र के खिलाफ गंभीर शिकायत दर्ज कराते हुए सेवा की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। ग्राहक के अनुसार, कूरियर भेजने के लिए सामान्य शुल्क की तुलना में काफी अधिक राशि वसूली गई। आरोप है कि पार्सल निर्धारित समय में गंतव्य तक नहीं पहुंचा और लगभग सात दिन बाद वापस लौटा दिया गया। ग्राहक का कहना है कि पार्सल वापस मिलने के बावजूद भुगतान की गई राशि भी वापस नहीं की गई। ग्राहक ने अपने अनुभव को साझा करते हुए अन्य लोगों से कूरियर सेवा का उपयोग करने से पहले शुल्क, डिलीवरी समय और रिफंड नीति की पूरी जानकारी लेने की अपील की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने की मांग भी की है। हालांकि, इस मामले में संबंधित कूरियर सेवा केंद्र की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यदि सेवा प्रदाता अपना पक्ष प्रस्तुत करता है, तो उसे भी प्रकाशित किया जाएगा।

राजकीय कन्या विद्यालय की जमीन के फर्जी इकरारनामे पर डीएम सख्त, दिया जांच का आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लालगंज/रायबरेली। लालगंज नगर स्थित राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की जमीन को बिना कब्जा इकरारनामे के जरिए बेचने के प्रयास का मामला अब जिलाधिकारी के संज्ञान में पहुंच गया है। जिला योजना समिति सदस्य राघवेन्द्र सूर्यवंशी ने आज डीएम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि लालगंज के गाटा सं0 4 पर स्थित विद्यालय की भूमि को राकेश प्रताप सिंह ने ब्रम्हप्रकाश सिंह, अमित गौतम व आनन्द राज के साथ 22 मई 2026 को बिना कब्जा इकरारनामे के रूप में विक्रय करने का प्रयास किया। यह भवन सन 1937 से 1972 तक प्राथमिक पाठशाला उसके पश्चात 2008 तक राजकीय कन्या विद्यालय के रूप में संचालित रहा है। राघवेन्द्र सूर्यवंशी ने ज्ञापन में कहा कि इकरारनामे में भवन, मंदिर, कुआं, पेड़ व बाउंड्रीवाल का उल्लेख तक नहीं किया गया और बाजार मूल्य 3 करोड़ की जमीन को मात्र 10 लाख रुपये दर्शाकर स्टाम्प ड्यूटी की चोरी की गई। साथ ही तहसील और नगर पंचायत के राजस्व रिकॉर्ड में विसंगति का फायदा उठाकर जमीन को निजी नाम कराने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। जिलाधिकारी से मुलाकात करने वालों में राघवेन्द्र सूर्यवंशी के अलावा रूपेश अग्निहोत्री, पप्पू और संतोष आदि मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उपजिलाधिकारी लालगंज और उपनिबंधक लालगंज को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। उसी दिन सायंकाल राजस्व टीम तहसीलदार के नेतृत्व में मौके पर का निरीक्षण किया। व्यापार मंडल सहित सभी स्थानीय लोगों ने मांग की है कि फर्जी इकरारनामे को शून्य घोषित कर गाटा सं0 4 की रजिस्ट्री पर रोक लगाई जाए, उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और ऐतिहासिक भवन को स्थायी सरकारी उपयोग हेतु नियोजित किया जाए। तथा दोषियों के खिलाफ दण्डात्मक कारवाही की जाए।

जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। थाना

समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने थाना मिलएरिया पहुँचकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। थाना दिवस के दौरान विभिन्न प्रकरणों में भूमि विवाद, पारिवारिक, राजस्व संबंधी शिकायते व सड़क एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए टीम बनाकर मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जनता को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, इसलिए अधिकारी मौके पर उपस्थित होकर शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता से करें। थाना दिवस में तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव सहित पुलिस/राजस्व विभाग के कार्मिक मौजूद रहे।

बिस्मिल का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और बलिदान की अमर गाथा, युवा पीढ़ी उनके आदर्शों से प्रेरणा ले बसन्त सिंह बग्गा

अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली, 11 जून, 2026। भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, काकोरी क्रान्ति के प्रमुख नायक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, कवि एवं लेखक अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के कैम्प कार्यालय, विशम्भर मार्केट में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बसन्त सिंह बग्गा के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने कहा कि 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में जन्मे पंडित राम प्रसाद बिस्मिल भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के उन महान क्रान्तिकारियों में थे जिन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने युवाओं में राष्ट्रभक्ति की अलख जगाने का कार्य किया और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र क्रान्ति के माध्यम से स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1925 में हुए ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन में बिस्मिल ने अपने क्रान्तिकारी साथियों अशफाक उल्ला खाँ, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह एवं चन्द्रशेखर आजाद के साथ मिलकर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी थी।

9 अगस्त 1925 को काकोरी के निकट सरकारी खजाना ले जा रही ट्रेन को रोककर क्रान्तिकारी गतिविधियों के लिए धन एकत्रित करने का साहसिक कार्य किया गया, जिसने पूरे देश में स्वतंत्रता आन्दोलन को नई ऊर्जा प्रदान की।

सात लाख की सड़क पर उठे सवाल, लोकार्पण से पहले ही टूटी नाली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। विकासखंड जसरा की ग्राम पंचायत बारा खास में विधायक निधि से निर्मित इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी लोगों को राहत मिलने के बजाय नई चर्चाओं ने जन्म ले लिया है। करीब सात लाख रुपये की लागत से बनाई गई सड़क के किनारे निर्मित नाली के क्षतिग्रस्त हो जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। खास बात यह है कि सड़क का अभी तक औपचारिक लोकार्पण भी नहीं हुआ है। थाना परिसर के समीप निर्मित इस सड़क को स्थानीय नागरिकों की सुविधा और आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से बनाया गया था। क्षेत्रीय लोगों को उम्मीद थी कि सड़क निर्माण से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा, लेकिन नाली के टूटने की घटना ने लोगों की उम्मीदों को झटका दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य तय मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप हुआ होता तो इतनी जल्दी संरचना में क्षति नहीं पहुंचती। स्थानीय नागरिकों आशीष केसरवानी, हरिकेश शर्मा, नीरज केसरवानी, डॉ. रामबरन, व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष नीरज केसरवानी और मनीष केसरवानी ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि सरकारी धन से कराए गए विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जानी चाहिए। निर्माण के शुरुआती चरण में ही खामियां उजागर होना चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने, जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने तथा क्षतिग्रस्त नाली की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। क्षेत्र में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और लोग विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं।

आधुनिक समाचार

शास्त्री ब्रिज मरम्मत में लापरवाही पर भड़के पूर्व हाईकोर्ट बार अध्यक्ष एडवोकेट अशोक सिंह, ठेकेदार के खिलाफ खोला मोर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शास्त्री ब्रिज की

मरम्मत कार्य में हो रही भारी लापरवाही और जनता को हो रही परेशानी के खिलाफ पूर्व हाईकोर्ट बार अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट अशोक सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने मरम्मत कार्य कर रही निर्माण एजेंसी और ठेकेदार पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता को बिना वजह परेशान किया जा रहा है, जबकि मौके पर कार्य की गति बेहद धीमी है। अधिवक्ता अशोक सिंह ने आरोप लगाया कि सुबह 11 बजे तक भी मरम्मत स्थल पर कोई प्रभावी कार्य शुरू नहीं होताङ, लेकिन ब्रिज के रास्तों को बैरिकेडिंग और अवरोध लगाकर बंद रखा जाता है। इससे रोजाना हजारों वाहन चालकों, छात्रों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को लंबा जाम और घंटों की परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि यदि कार्य निर्धारित समय पर नहीं हो रहा है तो जनता को अनावश्यक रूप से रोकना प्रशासनिक विफलता और ठेकेदार की मनमानी का प्रमाण है। शास्त्री ब्रिज शहर की जीवनरेखा है और इसके कारण पूरे शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अशोक सिंह ने प्रशासन से मांग की कि मरम्मत कार्य की निगरानी के लिए उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा ठेकेदार की जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्य प्रणाली में सुधार नहीं हुआ और जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि ब्रिज पर लंबे समय से मरम्मत कार्य चल रहा है, लेकिन कार्य की गति और प्रबंधन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर यातायात व्यवस्था सुचारु करने की मांग की है। 'जनता को जाम में फंसाकर केवल दिखावटी मरम्मत नहीं चलेगी। काम समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। (एडवोकेट अशोक सिंह) रिपोर्टः आधुनिक समाचार ब्यूरो, प्रयागराज

डीएम की अध्यक्षता में विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के दिए गए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), जी0पी0डी0पी0 (ग्राम पंचायत विकास योजना) एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत अधिक से अधिक मानव दिवस सृजन करने, लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लाभार्थियों को समय से आवास उपलब्ध कराने, निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा पात्र लाभार्थियों का चयन पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत शौचालय निर्माण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा ग्रामों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता अभियान को जनभागीदारी के साथ प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। जी0पी0डी0पी0 एवं पंचायती राज योजनाओं की समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की प्राथमिकता तय कर उन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध ढंग से कराए जाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चंद्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

काम, क्रोध को जीतने वाला ही भागवत कथा के लिए पात्र हैं। यशोदानंदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वृन्दावन। यमुना नदी के तट पर पुरूषोत्तम माह में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन श्री यशोदानंदन

महाराज द्वारा भव्य रूप से किया गया। संगीतमय कथा पर भजनों में श्रोताओं द्वारा नृत्य कर भावविभोर हुए। महाराज जी ने कथा प्रारंभ दिवस पर कलशयात्रा निकाली, जिसमें कई प्रान्तों हरियाणा, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ के प्रेमी भक्त नाचते - गाते सम्मिलित हुए। महाराज जी द्वारा सुनाये गये भजनों,मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है,करते हो तुम कन्हैया मेरा नाम हो रहा है,और राधे-राधे पर पूरा पांडाल थिरक उठा। महाराज जी ने द्वापर की बिदाई और कलयुग के आगमन का सजीव वर्णन किया। उन्होंने राजा परीक्षित की भी कहानी बताती,किस कठिनाईयों से उन्होंने अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ से उत्पन्न हुए। उन्होंने बताया कि अश्वत्थामा ने ब्रम्ह वाण से द्रोपदी के पांचों पुत्रों का वध कर दिया और उत्तरा के गर्भ में पल रहे बच्चे को मारने के लिए दिव्यास्त्र छोड़ा , किन्तु उत्तरा के अनुरोध पर भगवान कृष्ण ने उसकी रक्षा की। कलयुग के आगमन की भी रोचक कथा सुनाई। कैसे उन्होंने गाय की तीन टांगों और बैल को अर्ध मृत्यु की दशा में देखा, भगवान कृष्ण गोलोक नाम को प्रस्थान कर चुके थे,और कलयुग के प्रभाव से संसार में अधर्म व्याप्त हो गया था,चारों तरफ अनीति फैला हुआ था।गाय के अनुरोध पर उन्होंने कलयुग को दण्ड देना शुरू किया तो कलयुग ने कहा कि यह तो विधि का विधान है,एक युग के बाद दूसरा युग तो आयेगा,तब राजा परीक्षित ने कलयुग को तीन स्थानों पर रहने की अनुमति दी, जहां व्याभिचार हो,मदिरा पान होता हो और जहां जुआ खेला जाता हो,इसके अतिरिक्त सोने पर निवास की अनुमति तो, कलयुग उनके मुकुट पर विराजमान हो गया, जिससे उनकी बुद्धि भृष्ट हो गयी,आखेट के दौरान उन्होंने मृत सांप को ऋषि के कंठ में डाल दिया, जिससे कुपित होकर ऋषि पुत्र में श्राप दिया कि सातवें दिन यही सर्प उन्हें बस कर मृत्यु प्रदान करेगा। तब राजा परीक्षित ने यमुना जी के किनारे ब्रम्हा जी के गाये 18,000 श्लोकों जिसे गणेश भगवान में लिपिबद्ध किया कै महात्मा सुखदेव जी के मुख से श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। महाराज जी ने भगवान श्रीकृष्ण के गोलोक गमन का और उनके न रहने पर कुन्ती के गोलोक गमन तथा पांडवों में जारी उदासी का भी विस्तृत वर्णन किया।

ससुराल से गायब हुई विवाहिता, परिजनों ने जताई गंभीर आशंका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बारा संवाददाता।

थाना बारा क्षेत्र के कोटवरन का पूरा, ग्राम पंचायत पाण्डर निवासी एक विवाहिता के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। तीन दिन बीत जाने के बाद भी महिला का कोई सुराग नहीं लग सका है, जिससे उसके परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय रंजना तिवारी की अपने मायके पक्ष से अंतिम बार 10 जून की सुबह बातचीत हुई थी। इसके बाद से उसका मोबाइल फोन बंद है और उससे किसी प्रकार का संपर्क नहीं हो सका है। रंजना के पिता शिव शंकर पांडे, निवासी उभरी करमा, थाना घूरपुर ने आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले उनकी पुत्री के साथ मारपीट की सूचना मिली थी, जिस पर वे ससुराल पहुंचे थे। उस समय आपसी बातचीत के बाद मामला शांत करा दिया गया था। परिजनों का कहना है कि अब अचानक बेटी के लापता होने से कई तरह की आशंकाएं जन्म ले रही हैं।

उनका आरोप है कि ससुराल पक्ष द्वारा आभूषण और नकदी लेकर चले जाने की बात कही जा रही है, जबकि पहले इस प्रकार की कोई शिकायत सामने नहीं आई थी। ऐसे में मामले की निष्पक्ष और गहन जांच आवश्यक है। मायके पक्ष ने पुलिस से गंभीरता के साथ जांच कर महिला का शीघ्र पता लगाने की मांग की है।

वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विवाहिता की गुमशुदगी को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।

फिल्मी सितारों के द्वारा प्रयागराज कराटे क्लब के खिलाड़ियों का सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आपके संज्ञान में हम

बताना चाहते है कि, 17 मई 2026 को प्रयागराज कराटे क्लब के खिलाड़ियों के द्वारा गोवा में ऑल इंडिया चैंपियनशिप प्रतियोगिता में जहां देश के कई प्रदेशों के खिलाड़ियों से मुकाबला करते हुए, प्रयागराज कराटे क्लब के खिलाड़ियों ने कुल 3 स्वर्ण पदक, 7 रजत एवं 19 कांस्य पदकों पर कब्जा करते हुए, द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जीत की इस खुशी में 7 जून 2026 को प्रयागराज कराटे क्लब के कार्यालय में खिलाड़ियों को फिल्मी कलाकारों के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वाले कलाकारों में भोजपुरी की सुप्रसिद्ध गायिका शिल्पी राज, गीतकार, गायक एवं अभिनेता विजय चौहान, अभिनेता राकेश बाबू, अभिनेता नवीन नायक थे। सम्मान समारोह के पश्चात इन सभी कलाकारों के साथ प्रयागराज कराटे क्लब के निदेशक मिथुन निषाद, अध्यक्ष रमेश कुमार, उपाध्यक्ष एवं रंगकर्मी, फिल्म अभिनेता रमेश कश्यप एवं मिस्टर [illegible] चौरसिया,मैनेजर अभय गुप्ता के अगुवाई में रोड शो निकाला गया।

इस अवसर पर क्लब के खिलाड़ियों में अतुल श्रीवास्तव, मोहित गौड़, सुनील धवन, आकाश गौड़, यश सिंह, अनुराग सिंह, अभिनीत सिंह, प्रभात कुशवाहा, शांतनु प्रजापति, आराध्य जायसवाल, रूद्र केसरवानी, प्रताप केसरवानी, राजकुमार कुशवाहा, अंश शर्मा, कशिश निषाद, प्रिशा, शिवम, सार्थक जायसवाल, आदि उपस्थित रहे।

पति की लाश से पत्नी ने मांग में सिंदूर भरवाया, बोलीं- अब चूड़ियां कैसे उतारूं

प्रयागराज। उन्नाव में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले अनुपम से पत्नी ने आखिरी बार मांग में

सिंदूर भरवाया। शनिवार सुबह अनुपम का शव उन्नाव से प्रयागराज उनके घर पहुंचा, तो पत्नी प्रिया बेसुध हो गईं। रोते-रोते शव के पास बैठ गईं। इसी दौरान एक महिला सिंदूरदान लेकर आई। रिश्तेदार ने अनुपम की उंगली पर सिंदूर लगाया, फिर प्रिया ने सिर झुकाकर अपनी मांग में सिंदूर भरवाया। इसके बाद पति के पैर छूकर प्रिया फूट-फूटकर रोने लगीं। कहने लगीं- चूड़ी लेकर आए थे हमारे लिए..अब इन्हें कैसे उतारूं? यह दृश्य जिसने भी देखा, उसकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मां भी बेटे शव से लिपट गईं। रोते हुए बोलीं- एक बार चेहरा दिखा दो। अब मेरा बेटा कभी नहीं मिलेगा। मैं तुम्हारे पैर पड़ती हूं, बस एक बार मुझे चेहरा देख लेने दो। दरअसल, शुक्रवार को उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुए सड़क हादसे में 4 दोस्तों की मौत हो गई थी। चारों शिमला घूमने जा रहे थे। इनमें प्रयागराज के रहने वाले अनुपम भी शामिल थे। शनिवार को चारों दोस्तों के शव उनके घर लाए गए। तीन दोस्त उदय, अनुपम और विजय का प्रयागराज के छतनाग घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। अमन कश्यप का अंतिम संस्कार प्रतापगढ़ स्थित उनके पैतृक गांव मांधाता में हुआ।

नेफोमा ने बिसरख एसएचओ का किया स्वागत क्षेत्र की समस्याओं पर की चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में फ्लैट बायर्स संस्था नेफोमा ने आज नया कार्यभार संभाले बिसरख थानाध्यक्ष मुनेन्द्र सिंह का स्वागत किया क्षेत्र की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की हुई जिसमें सोसाइटी में डॉग बाइट्स के झगड़े, मूलभूत सुविधाओं में कमी को लेकर बिल्डर और निवासियों में आपसी खींचतान, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रोज सुबह शाम लगने वाले जाम, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में चल रहे स्पा मसाज सेंटर, सोसाइटी वेज बाहर चेन स्नेचिंग, एओए के आपसी झगड़े आदि समस्याओं पर बात हुई- एसएचओ मुनेंद्र सिंह ने भरोसा दिलाया की क्षेत्र की समस्याओं और चैन स्नेचिंग, चोरी की घटनाएं पूरी तरह रोकथाम लगाएंगे, नियम के अनुसार जो भी कार्रवाई होगी वह की जाएगी क्षेत्र की जनता को सुरक्षा व्यवस्था देना हमारा कर्तव्य है जिसके लिए हम दिन रात जनता के साथ खड़े हुए हैं. नेफोमा अध्यक्ष अनू खान ने बताया कि आज एसएचओ मुनेंद्र सिंह से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं के बारे में उनको अवगत कराया और यह बात भी बहुत जरूरी है कि यहां पर क्षेत्र बहुत बड़ा है जिसके लिए पूर्व में कमिश्नर साहब को पत्र दिया था की गौर सिटी के आसपास एक थाना और एक मूर्ति के पास एक थाना होना चाहिए क्योंकि क्षेत्र की जनसंख्या के हिसाब से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में कई थानों की आवश्यकता है क्योंकि अभी एक थाना होने की वजह से पूरा भार बिसरख थाने पर ही पड़ता है। मीटिंग में नेफोमा सदस्य कृष्णानंद, अशीष बंसल, पवन छाबड़ा, एडवोकेट अनिल, उमेश सिंह गौर सिटी सेंटर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डी0 एस0 राव आदि उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में राहतः जिला अपराध निरोधक कमेटी ने किया शीतल शरबत वितरण

प्रयागराज । शनिवार को भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुए, उ0प्र0 अपराध निरोधक समिति (प्रयागराज नैनी शाखा) द्वारा आज पाठक चौराहा, नैनी स्थित श्री संकट मोचन हनुमानजी एवं शनि मन्दिर परिसर में एक जन-कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को शीतल शरबत वितरित कर भीषण ताप से राहत प्रदान की गई। यह पुनीत आयोजन जिला अपराध निरोधक कमेटी, श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स एवं श्री राम समाज सेवा दल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। नेतृत्व एवं संचालनः-कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक यूथ टीम प्रभारी रमेश लाल श्रीवास्तव, शिव प्रताप सिंह, जनसंपर्क अधिकारी संदीप चंद्र श्रीवास्तव एवं क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी विमल सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। समर्पित टीम का योगदानः-सेवा कार्य को मूर्त रूप देने में यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा, कृष्ण विश्वकर्मा, दीपक माली, दिग्विजय सिंह और सक्षम शर्मा की सक्रिय भूमिका रही। सभी कार्यकर्ताओं ने सेवा की भावना के साथ आमजनमानस के बीच शीतल जल व शरबत वितरित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने संस्था के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय समिति ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी जनकल्याणकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया। जिला अपराध निरोधक कमेटी, नैनी, प्रयागराज।

सलाम नमस्ते में करियर एक्सप्रेस का आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते ने युवाओं के कौशल विकास और करियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से करियर एक्सप्रेस के अंतर्गत एक रेडियो वर्कशॉप का आयोजन किया। इस कार्यशाला में श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को रेडियो प्रसारण की प्रक्रिया, रेडियो जॉकी की भूमिका, वॉयस मॉड्यूलेशन, स्क्रिप्ट लेखन, कार्यक्रम निर्माण और ऑडियो रिकॉर्डिंग एवं संपादन से संबंधित जानकारियां दी गई। कार्यक्रम के दौरान सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि रेडियो जनसंचार का एक प्रभावी माध्यम है और इसमें करियर की अनेक संभावनाएं मौजूद हैं। आज के कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को स्टूडियो संचालन और रेडियो कार्यक्रम निर्माण की व्यावहारिक जानकारी भी प्रदान की गई, जिससे उन्हें मीडिया उद्योग की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान युवाओं को संचार कौशल विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा मीडिया क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूल शिक्षिका फालगुनी साहू ने बताया कि कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने रेडियो प्रसारण की वास्तविक प्रक्रिया को नजदीक से देखा। छात्रों ने रेडियो जॉकी के रूप में लाइव एंकरिंग का अनुभव प्राप्त किया तथा स्वयं स्क्रिप्ट पढ़कर अपनी प्रस्तुति कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने मीडिया और रेडियो क्षेत्र में करियर संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इसके अलावा प्रतिभागियों को समूह गतिविधियों के माध्यम से रेडियो कार्यक्रम तैयार करने का अवसर मिला, जिससे उनकी रचनात्मकता, संचार क्षमता और टीमवर्क कौशल का विकास हुआ। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक, रोचक और प्रेरणादायक बताया।

जिला प्रभारी ने नोएडा स्थित क्लब हाउस में किया 'मीडिया संवाद'

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने गिनाईं उपलब्धियां, कहा- अंतिम पायदान तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ,सड़क, रेल, स्वास्थ्य, किसान, महिला सशक्तिकरण और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्यों का किया उल्लेख, यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत बना विश्व मंच पर मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्रः बृजेश सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और समर्पण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद के मा0 प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग बृजेश सिंह ने नोएडा सेक्टर-27 स्थित क्लब हाउस में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम में सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संचालित योजनाओं का सबसे बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश सहित देश के करोड़ों जरूरतमंद नागरिकों तक पहुंचा है। इस अवसर पर माननीय सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर, माननीय भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, प्रदेश अध्यक्ष कार्य समिति सदस्य विनोद त्यागी, जिला उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, सत्येंद्र नागर, क्षेत्रीय मंत्री आशीष वत्स, माननीय सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, जिला महामंत्री नोएडा अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, महामंत्री नोएडा चंदगीराम यादव, मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे अन्य जनप्रतिनिधियों सहित जिला प्रशासन, प्राधिकरण तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी व विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया संस्थानों के पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में देश और उत्तर प्रदेश में हुए व्यापक बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत तथा 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, सामर्थ्य और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है।मीडिया संवाद में जनपद के प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि आज हम सभी एक विशेष अवसर पर एकत्र हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों की उस विकास यात्रा पर चर्चा करने के लिए उपस्थित हैं, जिसने देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने का कार्य किया है। इन 12 वर्षों की सबसे बड़ी ताकत देश की जनता का अटूट विश्वास और सरकार का सेवा भाव रहा है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताया, वर्ष 2019 में पहले से भी बड़े जनादेश के साथ उस विश्वास को मजबूत किया और वर्ष 2024 में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुनकर जनता ने स्पष्ट कर दिया कि देश केवल वादों पर नहीं बल्कि विकास और कार्यों के आधार पर विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री जी ने सबसे पहले पीएम किसान सम्मान निधि की फाइल पर हस्ताक्षर किए, जो यह दर्शाता है कि इस सरकार की प्राथमिकता गरीब, किसान, युवा और महिलाएं हैं। प्रधानमंत्री जी का मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं बल्कि जन आंदोलन बन चुका है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक योजना का शत-प्रतिशत लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसी का परिणाम है कि पिछले वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।प्रभारी मंत्री ने कहा कि तकनीक और डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से सीधे बैंक खातों में लाभ पहुंचाने की व्यवस्था (DBT) लागू की गई, जिससे लाखों फर्जी लाभार्थियों को हटाया गया और लगभग 4.31 लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बचाए गए। आज देश की सीमाएं और आंतरिक सुरक्षा पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों ने नए भारत की मजबूत इच्छाशक्ति को प्रदर्शित किया है। सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद लगातार समाप्त हो रहा है और रेड कॉरिडोर अब विकास के ग्रीन ग्रोथ जोन में परिवर्तित हो रहा है।प्रभारी मंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण के क्षेत्र में सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जिनमें 32 करोड़ से अधिक खाते महिलाओं के हैं। कोरोना काल से लेकर अब तक 81 करोड़ से अधिक देशवासियों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 58 करोड़ से अधिक नागरिकों को सुरक्षा कवच प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 04 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के मकान दिए गए हैं। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 11 करोड़ महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन देकर धुएं से मुक्ति दिलाई गई है। जल जीवन मिशन के तहत 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाया गया है तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता अभियान को नई दिशा दी गई है। उन्होंने कहा कि रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों के लिए पीएम स्वनिधि योजना के तहत 74 लाख से अधिक लोगों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। मुद्रा योजना के अंतर्गत छोटे व्यापारियों को बिना गारंटी 57 करोड़ से अधिक ऋण दिए गए हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना के माध्यम से 30 लाख से अधिक कारीगरों को लाभ मिला है। जनजातीय समाज के विकास के लिए 15,000 करोड़ रुपये का बजट तथा धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए 79,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसानों के हित में पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को 4.3 लाख करोड़ रुपये सीधे खातों में भेजे गए हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से 07 करोड़ से अधिक किसानों को लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का सस्ता ऋण दिया गया है। कृषि ऋण सीमा को 03 लाख रुपये से बढ़ाकर 05 लाख रुपये किया गया है। मध्यम वर्ग को राहत देते हुए आयकर छूट की सीमा को बढ़ाकर 12.75 लाख रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लखपति दीदी योजना के माध्यम से 03 करोड़ से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 4.5 करोड़ से अधिक खाते खोले गए हैं। सुरक्षा बलों में महिला अधिकारियों की संख्या 3000 से बढ़ाकर 11000 की गई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से 01 करोड़ घरों पर सोलर सिस्टम लगाए गए हैं। प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 से 2026 तक भारत ने विकास की नई गति प्राप्त की है। प्रधानमंत्री जी का स्पष्ट मानना है कि विकास का कार्य 24 घंटे, सातों दिन और 12 महीने चलने वाला मिशन है। आज देश की कार्य संस्कृति बदल चुकी है और जिस परियोजना का शिलान्यास किया जाता है उसका उद्घाटन भी इसी सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सड़क, रेल, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से गांवों में लगभग 08 लाख किलोमीटर पक्की सड़कें बनी हैं, जिनमें करीब 04 लाख किलोमीटर सड़कें पिछले 12 वर्षों में बनी हैं। इन सड़कों ने किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 109 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार वर्ष 2014 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक हो गया है और प्रतिदिन 34 किलोमीटर से अधिक नए राजमार्ग बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चेनाब ब्रिज, नया पंबन ब्रिज और अटल टनल जैसी परियोजनाएं देश के इंफ्रास्ट्रक्चर की नई पहचान बनी हैं।

भारतीय रेलवे में 99.6 प्रतिशत से अधिक ब्रॉडगेज विद्युतीकरण पूरा हो चुका है तथा 1337 से अधिक रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक बनाया जा रहा है। देश में 164 से अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जहां केवल 05 शहरों में 248 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क था, वहीं आज 26 से अधिक शहरों में 1095 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क विकसित हो चुका है। देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 164 से अधिक हो गई है और भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य योजना से हर घर तक बिजली पहुंचाई गई और भारतनेट परियोजना के माध्यम से 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड इंटरनेट से जोड़ा गया है। पिछले 12 वर्षों में 23 नए एम्स और मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी गई है तथा मिशन इंद्रधनुष के तहत 5.4 करोड़ से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया गया है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि विकास के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव को भी नई पहचान मिली है। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किया गया, इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित की गई। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, नया संसद भवन, लोक कल्याण मार्ग, अमृत उद्यान और संसद में सेंगोल की स्थापना नए भारत की पहचान हैं। अंडमान-निकोबार के 21 द्वीपों के नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे गए तथा पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम किया गया। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक देशवासियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कहा कि जनता कर्फ्यू, हर घर तिरंगा, एक पेड़ मां के नाम, फिट इंडिया मूवमेंट और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों ने देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य किया है। प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को विश्व स्तर पर साकार किया है। वैक्सीन मैत्री अभियान के माध्यम से 99 देशों तक दवाइयां पहुंचाकर भारत विश्वसनीय मित्र के रूप में उभरा। जी-20 की सफल अध्यक्षता, 39 नए दूतावासों की स्थापना और 70 लाख करोड़ रुपये से अधिक विदेशी निवेश यह दर्शाता है कि दुनिया भारत पर विश्वास कर रही है। 38 देशों के साथ किए गए 09 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स ने किसानों और उद्योगों के लिए नए अवसर खोले हैं। आज 177 देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि 10 जून का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि का दिन बनना है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को पीछे छोड़ते हुए सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का गौरव प्राप्त करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को मिले 32 अंतरराष्ट्रीय सम्मान और वैश्विक सर्वेक्षणों में प्राप्त उच्च लोकप्रियता भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, विकसित, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी इरादे से राष्ट् का समुचित विकास संभव हो सका - डा कल्पना भूषण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। कई हुनर की माहिर और केंद्र' में ज़रूरतमंदों के लिए डांस, म्यूज़िक, म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स और विनम्र, पेशेवर रूप से योग्य और 58 साल के अनुभव वाली इंटरनेशनल परफॉर्मर गुरु डॉ. कल्पना भूषण (जो एक राजकुमारी की बेटी हैं) नोएडा के सेक्टर-11 में अपने एनजीओ 'कल्पना कला फ़िटनेस की क्लास चलाती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात पर गर्व है कि प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी जी ने अपने 12 वर्षों में दूरदर्शी सोच से भारत को इंटरनेशनल स्तर पर इतनी ऊँचाई तक पहुँचाया है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर नोएडा में भव्य वृक्षारोपण अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तर प्रदेश द्वारा सेक्टर-137, नोएडा में एक भव्य वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जनसंपर्क अभियान के प्रदेश प्रभारी सैयद अहसान अख्तर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष कुँवर बासित अली रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई के अध्यक्ष वसीम खान, मौलाना शहाब रज़ा खान, पर्यावरणविद् अभिष्ट गुप्ता, भाजपा नेता अंखी दास गुप्ता, आर्या कोरी, सुरोजित दास गुप्ता, कविता, शेखर झा, डॉ. डी.के. गुप्ता, छाया शर्मा, राजेश यादव तथा भाजपा के बूथ अध्यक्ष अविनाश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उषा किरण एनजीओ के बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बेबी मरियम अहसान की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर सैयद अहसान अख्तर ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पेड़ पानी और पहाड़ नहीं किसी के बाप का है वो अपने आपका- संदीप मिश्र

पेड़ है तो प्राण है अभियानः जंगल बचाने को किसानों-आदिवासियों का हुंकार, ऊर्जा परियोजनाओं का विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में संचालित 'पेड़ है तो प्राण है' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी, वनवासी और किसान समुदाय ने प्रस्तावित ऊर्जा परियोजनाओं एवं जंगलों की कटाई के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद की। कार्यक्रम में मोर्चा के जिला संयोजक रामसूरत खरवार ने स्पष्ट कहा कि 'जान दे देंगे, लेकिन जंगल नहीं कटने देंगे। जंगल हमारे जीवन, संस्कृति और अस्तित्व का आधार हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि जेएसडब्ल्यू, अबाडा, अडानी और अन्य निजी ऊर्जा परियोजनाओं के नाम पर बड़े पैमाने पर जंगल और ग्रामीणों की जमीन प्रभावित हो रही है, जिससे पर्यावरण और स्थानीय जनजीवन पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर प्रकृति और लोगों के अधिकारों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मांग की कि पर्यावरण संरक्षण, वनाधिकार और ग्रामीणों के हितों को प्राथमिकता दी जाए तथा किसी भी परियोजना को लागू करने से पहले प्रभावित लोगों की सहमति सुनिश्चित की जाए। इस दौरान कार्यालय मंत्री कैलाश तिवारी को मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा गया। कार्यक्रम में रामसूरत खरवार, गुलाब चेरो, दिनेश गोंड, मुरहू गोंड, रामेश्वर पनिका, जीतू माझी, बिंदु खरवार, आकाश चौहान, सत्रुधन बिंद, सूरज कनौजिया, सुजीत विश्वकर्मा, विजय चौहान, सत्यम पाण्डेय, शंकर सोनी, संजय बियार, विजय बिंद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने संकल्प लिया कि जंगल, जल, जमीन और पर्यावरण की रक्षा के लिए जनजागरण अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के नेतृत्व में निर्धारित तिथि से पूर्व शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण

जिलाधिकारी ने अधिकारियों, कर्मचारियों, मीडिया एवं जनता का जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनगणना-2027 के प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य' में जनपद सोनभद्र ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है यह उपलब्धि जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के कुशल नेतृत्व, प्रभावी मॉनिटरिंग एवं सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। विशेष बात यह रही कि जनपद ने यह कार्य निर्धारित अंतिम तिथि 20 जून, 2026 से काफी पहले शत-प्रतिशत पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी , जनगणना निदेशालय की प्रतिनिधि प्रियासा सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभी चार्ज अधिकारी, सूचना विज्ञान अधिकारी, अर्थ एवं संख्याधिकारी, सूचना अधिकारी, समस्त अपर जनगणनाधिकारी तथा इस कार्य में लगे शिक्षकों, राजस्व कर्मियों, हिंडालको एवं ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के स्टाफ सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी।

जिलाधिकारी ने जनपद के मीडिया प्रतिनिधियों, पत्रकार बंधुओं, प्रबुद्ध नागरिकों एवं आमजन द्वारा प्रदान किए गए व्यापक सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोनभद्र की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यह सफलता जनपदवासियों की सहभागिता, टीम भावना और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों एवं संस्कारों को बच्चों में विकसित करने हेतु सृजनात्मक, मानसिक एवं खेल आधारित गतिविधिया विशेष रूप से संचालित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बच्चों में मानवीय मूल्य,आध्यात्मिक जागरूकता एवं संस्कारों के दिव्यीकरण के लिए विकास नगर के ब्रह्माकुमारीज मार्ग स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवाकेंद्र पर तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन दिव्य बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का आज सायंकाल समापन हुआ । इस बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में बच्चों में श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों एवं संस्कारों को बच्चों में विकसित करने हेतु सृजनात्मक, मानसिक एवं खेल आधारित गतिविधिया विशेष रूप से की गई । विभिन्न स्पर्धाओ में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को सेवाकेंद्र की मुख्य संचालिका सुमन दीदी ने प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार देकर उत्साहित करते हुए उनके श्रेष्ठ मंगलमय भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी । उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बच्चे परिवार की अमूल्य धरोहर एवं राष्ट्र का स्वर्णिम भविष्य हैं । माता-पिता को बच्चों में श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों के विकास के लिए आदर्श गुणों एवं आचरण को प्रस्तुत करना चाहिए । क्यू की बच्चों में देखकर समझने और सीखने की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। बच्चों को अपने जीवन लक्ष्य को पहचानने और प्राप्त करने हेतु आवश्यक मानसिक शक्तियों के विकास पर मोटिवेशनल क्लास डॉक्टर बी के हरीन्द्र भाई,बी के सीता बहन ने मूल्यों का विकास एवं संवर्धन,पुलिस कास्टेबल सुमन लता बहन ने बच्चों में आत्म सुरक्षा,बी के कविता बहन ने जीवन में दिव्य गुणों एवं शक्तियों का विकास एवं बी के दीपशिखा बहन ने बेहतर भविष्य के लिए मानवीय मूल्य विषय पर कराया । शिविर में सर्वश्रेष्ठ बालक का पुरस्कार आर्नव सिंह ने प्राप्त किया । विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में आयुष्मान विश्वकर्मा,आयांश वर्मा, सत्यम केशरी,प्रियांशु विश्वकर्मा, आन्वी श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । द्वितीय पुरस्कार दिव्यांश,नित्या केशरी,सत्यम मौर्य, अव्यक्त मिश्रा, रागवी सिंह,वैभव चौबे,रूद्र सिंह,और आर्ना सोनी ने प्राप्त किया । बी.के. सुमन बहन एवं बी के प्रतिभा बहन ने पुरस्कार वितरण किया । पर्यावरण सरंक्षा एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए गमलो में बच्चों नें पौधे लगाया तथा इनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक व माता पिता उपस्थित रहे। बी के सुमन दीदी ने उपस्थित अविभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों में मानवीय मूल्यों के विकास के लिए घर परिवार का वातावरण सकारात्मक और मानवीय सम्वेदनाओं से भरपूर होना आवश्यक है ।परिवार का वातावरण सकारात्मक बनाने के लिए बच्चों के प्रति नकारात्मक कमेंट से बचना चाहिए ।क्योंकि नकारात्मक कमेंट बच्चों को शीघ्र भावनात्मक रूप से असहज बनाते हैं । जिससे बच्चों में नकारात्मक प्रवित्तियों की आशंका होती है । ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग के द्वारा घर परिवार तथा मन को सहज ढंग से सकारात्मक बनाया जा सकता है।

क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल श्री राहुल पाण्डेय को पुलिस लाइन चुर्क में दी गई भावभीनी विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को जनपद सोनभद्र में क्षेत्राधिकारी ओबरा के पद पर कार्यरत श्री अमित कुमार के जनपद मिर्जापुर तथा क्षेत्राधिकारी घोरावल के पद पर कार्यरत श्री राहुल पाण्डेय के जनपद पीलीभीत स्थानान्तरण होने के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान दोनों अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यकाल, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं भावी दायित्वों के सफल निर्वहन हेतु शुभकामनाएं प्रदान की गईं। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्पमालाएं पहनाकर उन्हें सम्मानित किया तथा जनपद सोनभद्र में उनके कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण एवं जनसामान्य के प्रति उनके संवेदनशील एवं समर्पित कार्यों की सराहना की। विदाई समारोह में पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान निष्ठा, ईमानदारी एवं उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए पुलिस विभाग की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य किया है। उनके कार्य एवं व्यवहार की मधुर स्मृतियां सदैव जनपद परिवार के साथ जुड़ी रहेंगी। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र श्री अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ), प्रतिसार निरीक्षक मो0 नदीम सहित जनपद के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विवाहिता का फंदे से लटका मिला शव,दो साल पहले हुई थी शादी, पिता ने जताई हत्या की आशंका

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के मनरुटोला गांव में 23 वर्षीय विवाहिता का शव घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पिता ने हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। मनरुटोला गांव निवासी मानकुंवर (23), पत्नी राजू, शनिवार रात घर के बाहर बने कमरे में साड़ी के फंदे के सहारे लटकी मिली। घटना की जानकारी होते ही परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक दीनू प्रसाद यादव ने रविवार सुबह मौके का निरीक्षण किया और परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता धनशाय, निवासी कनवा बरवाटोला, ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजनों के मुताबिक मानकुंवर की शादी जून 2024 में हुई थी। वह चार बहनों में तीसरे नंबर की थी। प्रभारी निरीक्षक दीनू प्रसाद यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गहन जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। वहीं परिजन और ग्रामीण पुलिस जांच के निष्कर्ष का इंतजार कर रहे हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

फुटबॉल वर्ल्डकप में कतर ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका,खौखी ने इंजरी टाइम में हेडर से गोल दागा

स्पोर्ट डेस्क/सांता क्लारा। आखिरी क्षणों में बौआलेम खौखी के गोल से कतर ने फुटबॉल वर्ल्ड

कप 2026 के ग्रुप-बी मैच में स्विट्जरलैंड को 1-1 के ड्रॉ पर रोक लिया। इंजरी टाइम के चौथे मिनट में हेडर के जरिए आए इस गोल ने कतार को हार से बचा लिया। जबकि, स्विट्जरलैंड से जीत छीन ली। इससे पहले 90 मिनट के खेल में स्विट्जरलैंड का दबदबा रहा, पर टीम जीत नहीं हासिल कर सकी और उसे एक अंक साझा करना पड़ा। एम्बोलो ने पेनल्टी पर गोल दागा- स्विट्जरलैंड को 17वें मिनट में बढ़त मिली। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने ब्रेल एम्बोलो को बॉक्स के अंदर फाउल कर दिया, जिसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दी। एम्बोलो ने मौका नहीं गंवाया और गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचाकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। स्विट्जरलैंड ने गोल के कई मौके बनाए- मैच में स्विट्जरलैंड ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और कई बार गोल करने के मौके बनाए।हालांकि कतर की रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने कई हमलों को नाकाम कर टीम को मैच में बनाए रखा। दूसरे हाफ में भी स्विस टीम बढ़त बढ़ाने में नाकाम रही। इंजरी टाइम में कॉर्नर पर गोल आया-जब मुकाबला समाप्ति की ओर बढ़ रहा था और स्विट्जरलैंड जीत के करीब था, तभी इंजरी टाइम में कतर को कॉर्नर मिला। 90 प्लस 4 मिनट में बौआलेम खौखी ने शानदार हेडर लगाकर गेंद को नेट में पहुंचाया और स्कोर 1-1 कर दिया। इसी के साथ कतर के खिलाड़ियों ने मैदान पर जोरदार जश्न मनाया।

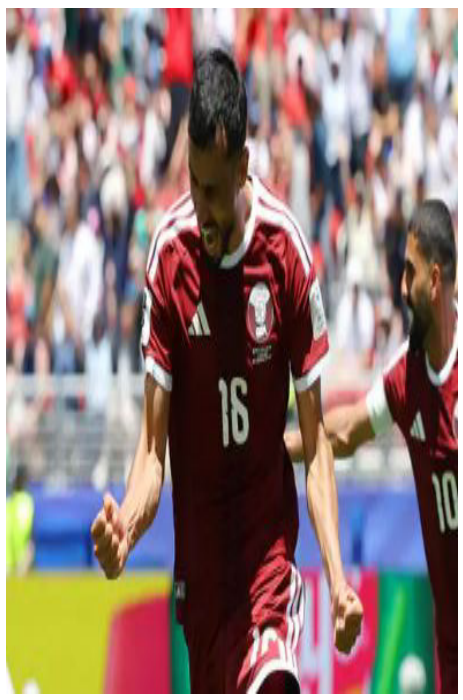

वैभव सूर्यवंशी के छोटे भाई ने शतक लगाया, पिता बोले थे- दो साल में वैभव जैसा खेलेगा

स्पोर्ट्स डेस्क। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब उनके छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी क्रिकेट में सुर्खियां बटोर रहे हैं। 10 साल के आशीर्वाद ने समस्तीपुर में खेले गए एक लोकल प्रैक्टिस मैच में क्रिकेट अकादमी ताजपुर की ओर से खेलते हुए 87 गेंदों पर 103 रन बनाए। उनकी पारी में 20 चौके और एक छक्का शामिल रहा। राइट हैंड बल्लेबाज आशीर्वाद के शतक का वीडियो और स्कोरकार्ड उनके बड़े भाई उज्ज्वल सूर्यवंशी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। आशीर्वाद को लेकर पिता संजीव कह चुके हैं कि वे आशीर्वाद को भी आने वाले दो साल में वैभव की तरह एक बेहतरीन क्रिकेटर बनाना चाहते हैं। आशीर्वाद के शतक के बाद पिता संजीव सूर्यवंशी ने भी सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा, मेरे छोटे बेटे आशीर्वाद सूर्यवंशी ने आज प्रैक्टिस मैच में अपना पहला शतक बनाया। आप सभी से अनुरोध है कि आशीर्वाद पर भी अपना प्यार और आशीर्वाद बनाए रखें। वैभव तीन भाइयों में मंझले हैं-वैभव सूर्यवंशी तीन भाइयों में मंझले हैं। उनके बड़े भाई का नाम उज्ज्वल सूर्यवंशी है, जबकि सबसे छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी हैं। पिता संजीव सूर्यवंशी और मां आरती सूर्यवंशी ने दोनों बेटों के क्रिकेट करियर में अहम भूमिका निभाई है। आशीर्वाद सूर्यवंशी बिहार में क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रहे हैं। वे बड़े भाई वैभव की तरह अटैकिंग बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। आशीर्वाद की शतकीय पारी की बदौलत क्रिकेट अकादमी ताजपुर ने 29.5 ओवर में 4 विकेट पर 234 रन बनाए।टीम के लिए शिवम राज ने 75 गेंदों में 52 रन का योगदान दिया। शतक पूरा करने के बाद आशीर्वाद ने हेलमेट उतारकर जश्न मनाया। उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। वैभव सबसे कम उम्र में भारतीय टीम में चुने गए- आशीर्वाद के बड़े भाई वैभव सूर्यवंशी इस समय भारतीय क्रिकेट का चर्चित नाम हैं। 6 जून को उनका चयन आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज तथा एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में हुआ। 15 साल 71 दिन की उम्र में टीम इंडिया में जगह बनाकर वे भारत के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए। वैभव ने इस मामले में शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। शेफाली पहली बार 15 साल 220 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुनी गई थीं, जबकि सचिन को 16 साल 194 दिन की उम्र में राष्ट्रीय टीम में मौका मिला था। आईपीएल में जीती ऑरेंज कैप- वैभव इस समय श्रीलंका-ए दौरे पर भारतीय टीम के साथ हैं। उन्होंने अब तक दो मैचों में 58 रन बनाए हैं। इससे पहले आईपीएल 2026 में उन्होंने 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। वैभव को मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर, सुपर स्ट्राइकर और सबसे ज्यादा छक्के लगाने का पुरस्कार भी मिला था। उन्होंने इसी सीजन 36 गेंदों पर शतक जड़कर नया रिकॉर्ड बनाया था।

फ़ीफ़ा वर्ल्डकप

इंग्लैंड टीम का सामान चोरी,कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

स्पोर्ट डेस्क। फ़ीफ़ा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया।

यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है। स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में-कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। ग्रुप-एल में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच- वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-एल में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी। 9 खिलाड़ी करेंगे मेजर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू-थॉमस टचल के कोचिंग में इंग्लैंड की टीम एक नए लुक में नजर आ रही है। इस 26 सदस्यीय टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है। टीम के 9 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू कर सकते हैं। इन नए खिलाड़ियों में इलियट एंडरसन और मॉर्गन रोजर्स भी शामिल हैं। दो बार हुई ट्रॉफी की चोरी-तमाम सुरक्षा इंतजामों के बावजूद फुटबॉल ट्रॉफी दो बार चोरी हुई। पहली बार ट्रॉफी की चोरी साल 1966 में इंग्लैंड से हुई। 20 मार्च, 1966 की बात है। वेस्टमिंस्टर स्थित मेथोडिस्ट सेंट्रल हॉल में दुर्लभ स्टैम्पस की प्रदर्शनी चल रही थी। इस एग्जीबिशन के एक सेक्शन में 'जूल्स रिमेट ट्रॉफी' को भी रखा गया था। एग्जीबिशन में 30 लाख पाउंड से अधिक के दुर्लभ स्टाम्स रखे थे लेकिन चोर ने 30,000 पाउंड की जूल्स रिमेट ट्रॉफी चोरी की। जांच एजेंसियों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी लेकिन ट्रॉफी नहीं मिली। बाद में ट्रॉफी एक फोनबूथ के पास पाई गई।

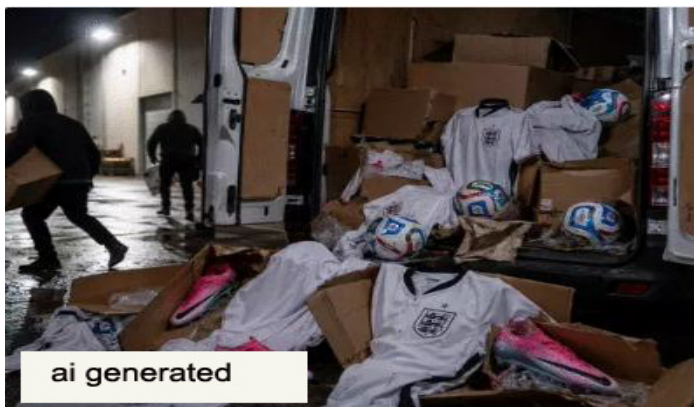

1983 में दूसरी बॉल चोरी हुई-साल 1970 के फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्राील तीसरी बार वर्ल्ड कप विजेता बना। पहले से तय नियम के मुताबिक, तीन बार वर्ल्ड कप जीतने वाले ब्राजील को ट्रॉफी हमेशा के लिए दे दी गई। ट्रॉफी को ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो के ब्राजील फुटबॉल फ्रेडेशन के मुख्यालय में रख दिया गया। साल 1983 में मुख्यालय के भीतर से जूल्स रिमेट ट्रॉफी एक बार फिर चोरी हो गई। इसके बाद ओरिजिनल ट्रॉफी कभी नहीं मिली।

मानसून में बीमारियों से बचाएंगे ये सुपरफूड्स,जानें इस मौसम में क्या खाने से करें परहेज, अपनाएं 5 हेल्दी आदतें

नयी दिल्ली। बारिश की रिमझिम फुहारें भले ही गर्मी से राहत देती हों, लेकिन ये मौसम कई बीमारियों को भी साथ लेकर

आता है। हवा में बढ़ी नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह

से इस दौरान वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम, पेट दर्द, फूड पॉइजनिंग जैसी दिक्कतें आम हो जाती हैं। इसकी असल वजह हमारी कमजोर होती इम्यूनिटी है। अगर समय रहते खानपान पर ध्यान न दिया जाए तो मामूली इन्फेक्शन भी बड़ी परेशानी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप इस मौसम में ऐसा खाएं जो नेचुरल हो, डाइजेस्ट होने में आसान हो और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाए।एनर्जेटिक और हेल्दी रखने के लिए क्या करें? इस मौसम में कैसी डाइट फॉलो करनी चाहिए? एक्सपर्टः अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, नई दिल्ली से जानेंगे सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- बदलता मौसम हमारी इम्यूनिटी पर क्या असर डालता है?

जवाब- मानसून में तापमान गिरने और नमी बढ़ने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीरे हो जाता है। यानी खाना पचने की गति कम हो जाती है। नतीजतन, शरीर को उतनी एनर्जी नहीं मिल पाती जितनी जरूरत होती है। इससे थकान, भारीपन, गैस, अपच और भूख न लगने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। कमजोर मेटाबॉलिज्म का सीधा असर इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है, जिससे शरीर इन्फेक्शन से जल्दी घिर सकता है। साथ ही इस मौसम

में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जो आसानी से इन्फेक्शन फैलाते हैं। जब इम्यून सिस्टम कमजोर होता है तो हल्की सी लापरवाही से सर्दी-जुकाम,

बुखार, खांसी, गले की खराश या स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं जल्दी पकड़ लेती हैं। सवाल- मानसून में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कौन से फूड्स फायदेमंद हैं? जवाब- कुछ फल, सब्जियां, अनाज, दालें और नट्स ऐसे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में खास भूमिका निभाते हैं। इनमें जरूरी विटामिन्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर होता है। यह शरीर को अंदर से ताकत देता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। इन्हें रोजाना डाइट में शामिल करने से न केवल पाचन अच्छा रहता है, बल्कि मौसम बदलने पर होने वाले सर्दी-जुकाम, बुखार और पेट की दिक्कतों से भी बचाव होता है। सवाल- इन फूड्स को खाने का सही तरीका क्या है? जवाब- मानसून में खाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से खाना। नमी और गर्माहट के चलते इस मौसम में खाने में जल्दी बैक्टीरिया पनपते हैं। इसलिए हर चीज को साफ-सुथरा और सुपाच्य बनाकर खाना चाहिए। फल- अमरूद, पपीता, सेब जैसे फल ताजे और पूरी तरह धोकर खाएं। बेहतर होगा कि छिलका हटाकर या अच्छी तरह रगड़कर धोने के बाद ही खाएं, ताकि बिल्कुल गंदगी न रहे।सब्जियां- गाजर, भुट्टा (मक्का), भिंडी जैसी सब्जियों को हल्का उबालकर या भाप में पकाकर खाएं। इससे ये नरम हो जाती हैं। साथ ही जल्दी पचती हैं और इनमें मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। अनाज और दलिया- ओट्स, दलिया, मूंग दाल जैसी चीजें अच्छी तरह पकाकर और गर्म खानी चाहिए। ये हल्की होती हैं और पाचन में मदद करती हैं। बासी या अधपकी चीजों से बचें। ड्राई फ्रूट्स और सीड्स- खजूर और अंजीर को थोड़े गुनगुने पानी में भिगोकर खाना सबसे बेहतर होता है, इससे ये मुलायम हो जाते हैं और आसानी से पचते हैं। सवाल- मानसून में कौन से फूड्स से परहेज करना चाहिए? जवाब- मानसून में खाने-पीने को लेकर थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत पर भारी पड़ सकती है। इस मौसम में नमी और गंदगी के कारण फूड आइटम जल्दी खराब होते हैं और उनमें हानिकारक बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ऐसे में कुछ चीजें खाने से न सिर्फ पाचन बिगड़ सकता है, बल्कि फूड पॉइजनिंग और इन्फेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम यह समझे कि किन फूड्स से इस मौसम में दूरी बनाना ही समझदारी है।सवाल- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी मजबूत रखने के लिए क्या खास ध्यान रखना चाहिए?जवाब- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी सामान्य लोगों की तुलना में कमजोर होती है, इसलिए मानसून में उनका खास ख्याल रखना जरूरी है। इम्यूनिटी मजबूत बनाए रखने के लिए नीचे कुछ जरूरी बातें अपनानी चाहिए। बच्चों के लिए ताजे फल, मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया जैसी हल्की और पौष्टिक चीजें खाने के लिए दें। बाहर का तला-भुना खाना, आइसक्रीम, कटे फल और पैकेट वाले जूस से बचाएं। ये जल्दी खराब होते हैं और इंफेक्शन फैला सकते हैं। बच्चों को रोज थोड़ा खेल-कूद या हल्की फिजिकल एक्टिविटी कराएं ताकि शरीर एक्टिव बना रहे।हाथ धोने की आदत बार-बार करवाएं, खासतौर पर खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। नींद पूरी हो, ये इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करती है। कोशिश करें कि बच्चे तय समय पर सोएं और जागें। बुजुर्गों के लिए बुजुर्गों की रोग प्रतिरोधक क्षमता उम्र के साथ कमजोर हो जाती है, इसलिए उन्हें ऐसा खाना दें जो पचने में आसान और पौष्टिक हो। जैसे दलिया, उबली मूंग दाल, ताजे फल और गुनगुना पानी। बहुत ठंडी, बासी या बाजार की चीजें जैसे फास्ट फूड, कटे फल, ठंडा दूध या दही देने से बचें। ये पेट खराब कर सकते हैं। बुजुर्गों को गुनगुना पानी पीने की आदत डालें और दिन में थोड़ी बहुत हल्की फिजिकल एक्टिविटी (जैसे वॉक या स्ट्रेचिंग) करवाएं। नींद पूरी हो और शरीर का आराम बना रहे। इसके लिए दिनचर्या नियमित रखें। अगर बुजुर्ग कोई दवा खाते हैं तो डॉक्टर से डाइट को लेकर सलाह जरूर लें क्योंकि कुछ दवाएं पाचन या भूख को प्रभावित कर सकती हैं।सवाल- खाने के अलावा कौन-सी आदतें इम्यूनिटी को मजबूत करती हैं? जवाब- सिर्फ अच्छा खाना ही नहीं, बल्कि कुछ रोज की आदतें भी हमारी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। जैसेकि- हर दिन हल्का व्यायाम करें। 20-30 मिनट की वॉक, योग या स्ट्रेचिंग से शरीर एक्टिव रहता है और इम्यून सिस्टम बेहतर काम करता है। 7-8 घंटे की नींद लें। नींद पूरी न होने से शरीर थका रहता है और संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है। लगातार चिंता या टेंशन इम्यूनिटी को कमजोर कर सकती है।मेडिटेशन, गहरी सांस या म्यूजिक से राहत पाएं। कीटाणुओं से बचने के लिए साफ-सफाई बेहद जरूरी है, खासकर खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। भूखा रहना या कम पानी पीना शरीर की ताकत को कमजोर करता है। हर 2-3 घंटे में कुछ हेल्दी जरूर खाएं और दिनभर में 7-8 ग्लास पानी पीना न भूलें।

फीफा वर्ल्ड कप में पहली बार खेलेगी कुरासाओ की टीम,4 बार की चैंपियन जर्मनी से मुकाबला- टूर्नामेंट में 16 साल बाद नीदरलैंड-जापान की भिड़ंत

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में आज चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी का मुकाबला पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही कुरासाओ से होगा। यह मैच ह्यूस्टन स्टेडियम में भारतीय समयानुसार आज रात 10:30 बजे से शुरू होगा। दूसरा मुकाबला नीदरलैंड और जापान के

बीच भारतीय समयानुसार 15 जून को डलास स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच रात 1:30 बजे से शुरू होगा। 15 को ही सुबह 4:30 बजे से आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर की भिड़ंत फिलाडेल्फिया स्टेडियम में होगी। वहीं सुबह 7:30 बजे से स्वीडन और ट्यूनीशिया के बीच मोंटेरे स्टेडियम में मुकाबला शुरु होगा। ग्रुप-ई में शामिल 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी और कैरेबियाई देश कुरासाओ के बीच यह पहला मुकाबला होगा। कुरासाओ इतिहास में पहली बार फीफा वर्ल्ड कप खेल रही है।कुरासाओ दिग्गज कोच डिक एडवोकेट के मार्गदर्शन में टूर्नामेंट में उतरी है। वहीं जर्मनी को फ्लोरियन विट्र्ज और जमाल मुसियाला जैसे युवा सितारों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दोनों टीमों की पॉसिबल स्टार्टिंग इलेवनः- जर्मनीः नोयर, किमिच, ताह, रुडिगर, रॉम, गोरेट्जका, पावलोविच, विट्र्ज, मुसियाला, हावट्र्ज, उंडाव। कुरासाओः रूम, ब्रेनेट, गारी, ओबिस्पो, फ्लोरानस, एल. बकुना, जे. बकुना, गोरे, चोंग, कस्तानीर, मार्गरीथा। मैच-10: 16 साल बाद वर्ल्ड कप में नीदरलैंड और जापान की भिड़ंत-ग्रुप-ई में शामिल नीदरलैंड और जापान के बीच अब तक कुल 3 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। नीदरलैंड का पलड़ा भारी है, जिसने 2 मैचों में जीत दर्ज की है। वहीं 1 मुकाबला ड्रॉ रहा है। जापान की टीम अब तक नीदरलैंड के खिलाफ एक भी मैच नहीं जीत सकी है। फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमें पूरे 16 साल बाद आमने-सामने होंगी। इससे पहले दोनों की भिड़ंत साल 2010 के वर्ल्ड कप में हुई थी, जहां नीदरलैंड ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। डच टीम को अपने स्टार फॉरवर्ड मेम्फिस डेपे और विंगर कोडी गैकपो से गोल की उम्मीद होगी। वहीं जापानी टीम का दारोमदार उनके सबसे भरोसेमंद मिडफील्डर वतारू एंडो और क्रिएटिव विंगर ताकेफूसा कुबो पर टिका होगा। दोनों टीमों की पॉसिबल स्टार्टिंग इलेवनः-नीदरलैंडः वेरब्रूगेन, डमफ्राइज, डी विज, वेन डाइक, अके, शुटेन, रीजेंडर्स, सिमंस, विफर, गैकपो, डेपे। जापानः सुजुकी, सुगावारा, इटाकुरा, माचिदा, इटो, एंडो, मोरीता, मितामो, कुबो, डुआन, उएदा। मैच-11: आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर के बीच पहली भिड़ंत-ग्रुप-एफ में शामिल आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर इससे पहले सिर्फ 1 बार इंटरनेशनल में आमने-सामने थे। वह मैच इक्वाडोर ने जीता था। फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमें पहली बार एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगी। आइवरी कोस्ट की टीम अपने स्टार फॉरवर्ड सेबेस्टियन हॉलर के दम पर वर्ल्ड कप में विजयी शुरुआत करना चाहेगी, जबकि इक्वाडोर की नजरें अपने कप्तान एनेर वैलेंसिया पर टिकी होंगी। दोनों टीमों की पॉसिबल स्टार्टिंग इलेवनः आइवरी कोस्टः फोफाना, सिंगो, डियोमंडे, एनडिका, कोनाटे, केसी, सेरी, सेंगारे, डिंग्रा, हॉलर, पेपे। इक्वाडोरः डोमिंगुएज़, प्रेसिआडो, टोरेस, पाचो, हिंकापी, ग्रुएज़ो, कैसिडो, पेज़, यैन्ज़े, सर्मिएंतो, वैलेंसिया। मैच-12: स्वीडन और ट्यूनीशिया के बीच बराबरी की टक्कर-ग्रुप-एफ में शामिल स्वीडन और ट्यूनीशिया के बीच अब तक कुल 4 इंटरनेशनल मुकाबले खेले जा चुके हैं। दोनों टीमों ने 1-1 मैच जीता है, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमें पहली बार आपस में टकराएंगी। स्वीडन की टीम को अपने स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद होगी, वहीं ट्यूनीशिया की टीम अपने मजबूत डिफेंस के दम पर यूरोपीय टीम को रोकने की कोशिश करेगी। दोनों टीमों की पॉसिबल स्टार्टिंग इलेवनः-स्वीडनः ओल्सन, होमग्रेन, हिएन, लिंडेलोफ, ऑगस्टिनसन, काजुस्ते, लार्सन, कुलुसेवस्की, फोर्सबर्ग, इलांगा, इसाक। ट्यूनीशियाः डहमेन, वालरी, मरियह, टालबी, आब्दी, स्केहिरी, लैदौनी, बेन सुलेमान, अचौरी, म्साकनी, जेबाली।

संगीत, फिल्म और टीवी शो में अमेरिकी दबदबा घट रहा,स्पोटिफाई

11 जून को फुटबॉल वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह में अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश और इटालियन भाषाओं में प्रस्तुत आधिकारिक गीत ने वैश्विक एकता का संदेश दिया। आने वाले हफ्तों में दुनिया की लगभग आधी आबादी इस टूर्नामेंट को देखेगी। पहली नजर में यह लग सकता है कि मनोरंजन की दुनिया पहले से कहीं अधिक वैश्विक हो चुकी है और इसके केंद्र में अब भी अमेरिका की सांस्कृतिक ताकत कायम है, लेकिन हकीकत इससे अलग है। वर्ल्ड कप और ओलिंपिक जैसे मेगा इवेंट आज भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचते हैं, मगर मनोरंजन की व्यापक दुनिया लगातार स्थानीय होती जा रही है। संगीत, टेलीविजन, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में लोग तेजी से अपने देशों और भाषाओं के कंटेंट को प्राथमिकता दे रहे हैं। अमेरिकी कंटेंट का प्रभाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन उसका एकाधिकार कमजोर पड़ रहा है। स्पोटिफाई, नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, एपल और गूगल के ऐप स्टोर जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म्स ने दुनिया भर के लोगों को एक जैसी सामग्री तक ?पहुंच दी है। इससे टेलर स्विफ्ट, मिस्टर बीस्ट और रॉब्लॉक्स जैसे अमेरिकी ब्रांड और सितारों को अभूतपूर्व वैश्विक पहचान मिली। इसके बावजूद स्थानीय पसंद लगातार मजबूत हो रही है। फुटबॉल में लोग विश्व कप का इंतजार करते हैं, लेकिन अधिकांश समय अपनी घरेलू लीग्स और स्थानीय टीमों को ही देखते हैं। यूट्यूब लगभग हर देश का कंटेंट उपलब्ध कराता है, फिर भी उसके अधिकांश दर्शक अपने देश की भाषा और संस्कृति से जुड़े वीडियो ज्यादा देखते हैं। गेमिंग में भी यही रुझान दिखाई देता है। कंसोल और पीसी गेमिंग में कुछ वैश्विक फ्रेंचाइजी का दबदबा है, लेकिन मोबाइल गेमिंग कहीं अधिक विविध हो चुकी है। दुनिया के पांच सबसे बड़े गेमिंग बाजारों में कोई एक ऐप ऐसा नहीं है जो हर देश के टॉप-10 में? शामिल हो।विशेषज्ञों का मानना है कि सॉफ्ट पावर का वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है।लोकप्रिय संस्कृति पर अमेरिका का लगभग एक सदी पुराना प्रभुत्व कमजोर हुआ है। वितरण प्लेटफॉर्म्स पर उसका प्रभाव बना हुआ है, लेकिन कंटेंट निर्माण में अब ब्राजील, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश तेजी से उभर रहे हैं।अगले महीने अमेरिका में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल पर दुनिया की नजर होगी, लेकिन सांस्कृतिक प्रभाव के नए खेल में अब कई नए खिलाड़ी मैदान में उतर चुके हैं।म्यूजिक स्ट्रीमिंग में स्थानीय गायक हावी हो रहे हैं?-- डेनमार्क में 2025 में सबसे ज्यादा स्ट्रीम हुए?म्यूजिक ट्रैक स्थानीय रहे। नार्वे, स्वीडन में भी स्थानीय लोगों का बोलबाला है। - पिछले वर्ष स्पोटिफाई के 50 ग्लोबल टॉप गानों में 16 भाषाओं के गाने शामिल थे। - ब्राजील में जून के पहले सप्ताह में यूट्यूब म्यूजिक पर टॉप-100 आर्टिस्ट ब्राजीलियन थे। - पिछले साल थाइलैंड में सभी दस पॉपुलर गाने लोकल थे। इंडोनेशिया, फिलीपीन्स में यह संख्या आठ-आठ रही।- नाइजीरिया के टॉप दस गाने और भाषाओं में लोग ज्यादा? गाने सुन रहे हैं।? म्यूजिक चार्ट्स ज्यादा? स्थानीय हो रहे हैं?-म्यूजिक चार्ट्स अब लोकल हो रहे हैं। ब्राजील? में पिछले सप्ताह सबसे ज्यादा स्ट्रीम किए गए? 100 कलाकारों में 96 स्थानीय थे। नेटफ्लिक्स ?और अमेजन जैसी वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाएं ?विदेशों में ज्यादा शो बना रही हैं। पिछले छह? साल में नए स्ट्रीमिंग कमीशन में उत्तर अमेरिका ?का हिस्सा 70फीसदी से गिरकर 36फीसदी रह गया है।? अब स्थानीय भाषाओं में? ज्यादा बन रहे हैं टीवी शो-पिछले दो साल में सोनी म्यूजिक ने ग्रीस, चेकरिपब्लिक और दुबई में ऑफिस खोले हैं। वार्नर ब्रदर्स ने इटली, जर्मनी और तुर्किये में लोकल शो लॉन्च किए हैं। इस साल की पहली तिमाही में ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स के 36फीसदी शो उत्तर अमेरिकी रहे। नेटफ्लिक्स ने पहली बार स्थानीय भाषाओं में ज्यादा टीवी शो बनाए हैं। भारत में कैरम सबसे अधिक पॉपुलर खेल है- गेमिंग के 5 सबसे बड़े बाजारों अमेरिका, चीन, जापान, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया में कोई एक गेम टॉप-10 में शामिल नहीं है। उनके टॉप-10 में 34 अलग टाइटल थे। भारत में टॉप-10 गेम में कैरम सर्वाधिक पॉपुलर है। भारत में यूट्यूब का 95फीसदी कंटेंट भारतीय भाषाओं में हैं। आधे से ज्यादा कंटेंट हिंदी की जगह अन्य भाषाओं में है।

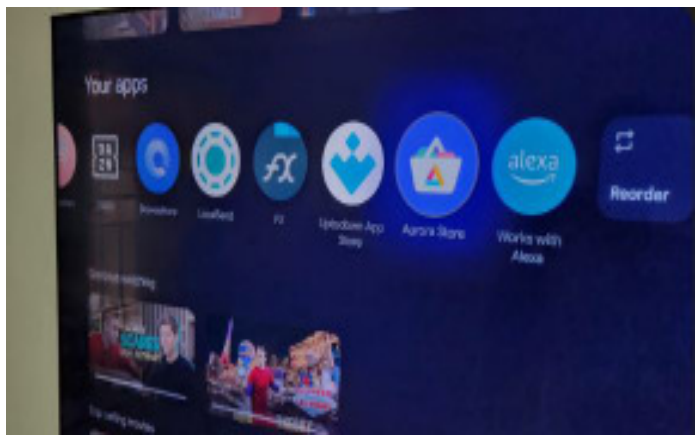

कोई भी तकनीक हमसे जीने की अनुभूति नहीं छीन सकती

मुम्बई की कई और शामों जैसी ही वह एक शाम थी। मैं मरीन ड्राइव की सी-वॉल पर बैठी थी और मेरे हेडफ़ोन में लियोनार्ड कोहेन का गीत 'फेमस ब्लू रेनकोट' बज रहा था। हवा ने मेरे बालों को बिखेर दिया था और डूबते सूरज की लालिमा मेरी आंखों में समा गई थी। जैसे ही आग का गोला अरब सागर में उतरा, लहरों की तुमुल-ध्वनि कोहेन की गहरी, सम्मोहक आवाज के साथ मिलकर उस जादुई क्षण को पूर्णता देने लगी। मेरे मन में दूसरे अविस्मरणीय सूर्यास्तों की स्मृतियां उमड़ पड़ीं : क्यूबा के मालेकॉन में, बाली के एक सक्रिय ज्वालामुखी पर और युगांडा के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान में सेल्फ-ड्राइव सफारी के दौरान।फिर मेरा ध्यान भटक गया और मैंने अपना ईमेल खोल लिया। एक नया मेल आया था, जो ऊष्मा और सामंजस्य से भरा हुआ था। लेकिन उसके अंत में लिखा था : 'क्या आप इसका थोड़ा और कैजुअल टोन वाला संस्करण चाहेंगी, या फिर ऐसा जिसे आपके मैनेजर के साथ निजी बातचीत के लिए तैयार किया गया हो?' बीते कुछ महीनों में मुझे अकसर अपनी लिखने और कम्युनिकेट करने की क्षमता पर संशय हुआ। लेकिन बाद में मुझे एहसास हुआ कि जिन ईमेल और सोशल मीडिया पोस्टों को देखकर मैं प्रभावित हुई थी, वे वास्तव में इंसानों ने लिखे ही नहीं थे। जब मुझे एआई द्वारा लिखे ईमेल मिलते हैं, जब मैं टीम के सदस्यों को काम के लिए इसका उपयोग करते देखती हूं, जब मैं चैटजीपीटी द्वारा लिखी लिंक्डइन पोस्ट और वॉट्सएप मैसेज पढ़ती हूं तो समझ नहीं आता क्या प्रतिक्रिया दूं। क्या मुझे अपना समय और ऊर्जा उन एआई द्वारा लिखे गए ईमेल और संदेशों का जवाब देने में लगानी चाहिए? क्या मुझे भी चैटजीपीटी का उपयोग करके जवाब देना चाहिए, जिससे ऐसी विद्रूपतापूर्ण स्थिति पैदा हो जाए, जहां एक मशीन दूसरी मशीन से यह दिखावा करते हुए बात कर रही हो कि वह इंसान है? मैं ऐसे आभासी संबंध कैसे बना सकती हूं, जो वास्तविक इंसानों नहीं, एआई द्वारा तैयार किए उत्तरों पर आधारित हों? मैं क्लॉड द्वारा रची जा रही ब्लॉग पोस्टों और न्यूजलेटर्स से कैसे प्रतिस्पर्धा करूं? जब पर्प्लेक्सिटी से बनी किताबें बुकस्टोर्स में छा जाएंगी, तब क्या होगा? 2024 में ऑक्सफोर्ड ने 'ब्रेन रॉट' को वर्ड ऑफ द ईयर चुना था। इसका अर्थ है- सोशल मीडिया पर कम गुणवत्ता और निम्नतर मूल्य वाली सामग्री का अत्यधिक उपभोग करने से हमारे मस्तिष्क का क्षरण। अब इसमें एआई को भी जोड़ दें तो ब्रेन रॉट कई गुना बढ़ जाता है। मुझे पता है कि तकनीक को नजरअंदाज करने और दुनिया से पीछे रह जाने का क्या परिणाम होता है।जब मैं डिजिटल स्टोरीटेलर के रूप में शुरुआत कर रही थी, तब मैंने पारंपरिक मीडिया के अपने मित्रों के साथ ऐसा होते देखा था। लेकिन एआई केवल कोई नया माध्यम या उपकरण नहीं है; यह एक क्रिएटिव व्यक्ति के रूप में हमारे अस्तित्व पर ही प्रश्न उठा रहा है। मैंने अपना फोन रख दिया। समुद्र-तट के आकाश में नारंगी और गुलाबी रंगों की छटाएं फैल गई थीं। मुझे एहसास हुआ कि कोई भी तकनीक इस अकथनीय सुख को कभी पूरी तरह री-क्रिएट नहीं कर सकती- यहां बैठने का आनंद, मुंबई की नमकीन हवा को सांसों में संजोने का अनुभव, सूर्यास्त को समुद्र में उतरते हुए देखने का क्षण और एक महानगर के जन-ज्वार के बीच भी एक अजीब-सी शांतचित्तता की अनुभूति। डेढ़ महीने से अधिक समय तक मैंने स्वयं को पूरी तरह जर्मन भाषा सीखने के लिए समर्पित कर दिया था। हर दिन पांच घंटे एक नई भाषा सीखने में खुद को लगाना थकाऊ काम था, लेकिन साथ ही यह ऊर्जा से भर देने वाला भी था। मेरे मस्तिष्क में नए तंत्रिका-संबंध शुरुआत में मैंने महसूस किया कि छोटे प्रारूप वाली कहानियों ने लंबे समय तक चलने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम करने की मेरी क्षमता को प्रभावित किया था। इसलिए मैंने सचेत रूप से गहन कार्य और धीमी, टिकाऊ उत्पादकता को प्राथमिकता देना शुरू किया। उस शाम मरीन ड्राइव पर एक सम्मोहक अर्धचंद्र दिखाई दिया। मुम्बई के क्षितिज की रोशनियां जगमगाने लगीं, हवा तेज हो गई, भीड़ धीरे-धीरे छंट गई। अपनी जगह पर बैठे, उन तमाम उलझे हुए तरीकों के बारे में सोचते हुए- जिनसे हम बदलावों का सामना करते हैं- मैंने स्वयं को अपरिष्कृत, भ्रांत और अपूर्ण महसूस किया- लेकिन जीवित भी! कोई भी तकनीक इसे हमसे नहीं छीन सकती! क्या मुझे अपना समय एआई द्वारा लिखे गए ईमेल का जवाब देने में लगाना चाहिए? क्या मुझे भी चैटजीपीटी का उपयोग करके जवाब देना चाहिए, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हो जाए, जहां एक मशीन दूसरी मशीन से यह दिखावा करते हुए बात कर रही हो कि वह इंसान है? (ये लेखिका के अपने विचार हैं,शिव्या नाथ)

केवल दक्षिण ही नहीं, देश के हर कोने में घट रही है आबादी

योजनाओं को बेहतर ढंग से आकार देने के लिए हमें विश्वसनीय जनसंख्या अनुमानों की आवश्यकता होती है। किंतु भारत के जनसांख्यिकीय अनुमान- जिन्हें स्वयं संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने तैयार किया है- एक चिंताजनक कहानी बताते हैं। ये अनुमान संभवतः 10 करोड़ लोगों और कई दशकों तक की अवधि के संदर्भ में गलत सिद्ध हो सकते हैं। इसका दोष सरकार पर आता है, जिसने 2021 में जनगणना आयोजित नहीं की और उसके बाद वर्ष-दर-वर्ष उसे टालती रही। पिछली जनगणना 15 वर्ष पहले हुई थी। इसलिए सभी अनुमान एक पुरानी और अप्रासंगिक जनगणना के आंकड़ों पर आधारित रहे हैं। इस प्रक्रिया में, भारत ने भविष्य के 10 करोड़ संभावित नागरिकों को मानो परिदृश्य से बाहर कर दिया है- इनमें वे युवा उपभोक्ता और कामगार भी हैं, जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने वाले थे और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने वाले थे। जिस डेमोग्राफिक डिविडेंड की हम लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे, वह अचानक विलुप्त होता प्रतीत हो रहा है। पुराने और अप्रचलित आंकड़ों पर आधारित अनुमानों के अनेक जोखिम और दुष्परिणाम होते हैं। 2011 की जनगणना पर आधारित यूएनडीपी के 2024 के अनुमानों के अनुसार भारत की जनसंख्या 2060 के दशक के प्रारम्भ में 1.7 अरब के शिखर पर पहुंचने वाली थी। किंतु हाल ही में जारी सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2024 के प्रजनन-दर संबंधी आंकड़ों पर आधारित नए अनुमानों से संकेत मिलता है कि भारत की जनसंख्या इससे कहीं पहले लगभग 1.6 अरब के पीक पर पहुंच जाएगी। यह 2060 के दशक में नहीं बल्कि 2040 के दशक के मध्य के आसपास होगा। इसके बाद इसमें गिरावट शुरू होगी, और संभवतः यह गिरावट उस गति से भी अधिक तीव्र होगी, जिस गति से जनसंख्या बढ़ी थी।

क्या लेट प्रेंगनेंसी के फायदों पर उससे जुड़ी समस्याएं भारी पड़ रही हैं!

53 साल के एक शानदार परफॉर्मर ने दो दशक से अधिक समय पूरी निष्ठा से काम किया। सहकर्मियों की तुलना में वह कहीं तेजी से कॉर्पोरेट के पायदान चढ़े और आखिरकार बिजनेस के शीर्ष पद तक पहुंचे। लेकिन बीते दो वर्षों में कंपनी के प्रमोटर्स ने उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट देखी। वह बेहद दबाव में दिखते, बिजनेस ट्रैवल से बचने लगे और ऑफिस में लंबे समय तक रुकना भी छोड़ दिया था। वह हमेशा असंतुष्ट नजर आते थे। इसकी वजह जानने के लिए कंपनी मालिकों ने एक बाहरी विशेषज्ञ की मदद ली। कंसल्टेंट ने गोपनीय रिपोर्ट में बताया कि उनके असंतोष का कारण वेतन-भत्ते नहीं, बल्कि ये है कि वह अपने बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम नहीं बिता पा रहे हैं। वह उस 'कॉर्पोरेट ट्रैप' में फंसे थे, जहां हर समय उपलब्ध रहना पड़ता है, बड़ी टीम के साथ लगातार संपर्क में रहना पड़ता है और इसीलिए उनके पास बच्चे के लिए मानसिक ऊर्जा बचती ही नहीं थी। वह लगातार नींद की कमी से जूझ रहे थे और यह उनके 'उम्रदराज पैरेंट' होने का परिणाम था। उनका बच्चा जब पैदा हुआ था तो वह 41 के और पत्नी 40 वर्ष की थीं। 12 साल बाद, कॅरिअर के सबसे महत्वपूर्ण दौर और छोटे बच्चे की परवरिश की हाई-एनर्जी डिमांड के बीच संतुलन बना पाना उनके लिए बोझ बन गया है। यह उस व्यापक संकट की झलक है, जिससे आज कई उम्रदराज पैरेंट्स गुजर रहे हैं। आज बहुत-से लोग देरी से पैरेंट्स बन रहे हैं। लेकिन फिर उन्हें निजी समय की कमी, सामाजिक दबाव और गंभीर आर्थिक चुनौतियों जैसी अप्रत्याशित हकीकतों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग ऐसे समय में बच्चों की परवरिश का भारी खर्च उठा रहे हैं, जब उन्हें रिटायरमेंट के लिए बचत बढ़ानी चाहिए या उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को मैनेज करना चाहिए। नतीजतन, कुछ लोगों को सर्वाधिक कमाई वाले वर्षों में भी अपने प्रोफेशन से पीछे हटने के बारे में सोचना पड़ता है। काम का लगातार दबाव और नींद की कमी का विषाक्त गठजोड़ शारीरिक थकान को तेजी से बढ़ाता है। इसीलिए कई प्रमोटर्स और बॉस उनके बर्नआउट को अकसर 'असंतोष' मान लेते हैं। कॅरिअर-ड्रिवन प्रोफेशनल्स का एक बड़ा वर्ग जानबूझकर देर से बच्चे पैदा कर रहा है। अमेरिका में 2025 में कुल जन्मों में 40 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 4.3फीसदी रही। यह 1990 की महज 1.2फीसदी हिस्सेदारी की तुलना में नाटकीय बढ़ोतरी है। भारत के नेशनल डेटा बताते हैं कि देशभर के कुल प्रसवों में 40 से 44 वर्ष की महिलाओं के प्रसव 1फीसदी होते हैं। हालांकि, केवल राष्ट्रीय औसत ही देखें तो जमीनी हकीकत नजर नहीं आती। महानगरों के फर्टिलिटी क्लिीनिकों की रिपोर्ट कहती है कि कॅरिअर संबंधी महत्वाकांक्षाओं और फाइनेंशियल सिक्योरिटी की चाह में 35 और 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में आईवीएफ जैसी उन्नत प्रजनन प्रक्रियाओं की मांग साल-दर-साल 5फीसदी बढ़ रही है। यह प्रवृत्ति संकेत है कि अधिक उम्र में मातृत्व हासिल करने की सोच में बड़ा बदलाव आ रहा है।अध्ययन पुष्टि करते हैं कि इन उम्रदराज मांओं को तीखी तुलना झेलनी पड़ती है। उन पर लगातार बाहरी सलाहों और डिजिटल जानकारी की बौछार होती रहती है, जिससे वे व्याकुल हो जाती हैं। पैरेंट्स का दबाव कोई नई बात नहीं। यह पीढ़ियों से चला आ रहा है, लेकिन आज यह कहीं अधिक दखल देने वाला लगता है, क्योंकि आधुनिक एल्गोरिदम ने इससे बच निकलना लगभग असंभव बना दिया है। खासकर इन्फ्लुएंसर्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है कि बच्चों की परवरिश अब बेहद जटिल, खर्चीली हो गई है और इसमें सफल होना बेहद मुश्किल है। पहले की पीढ़ियों को पैरेंटिंग के बारे में बिन मांगी सलाह मंदिरों, यात्राओं या सामाजिक आयोजनों में मिलती थी। लेकिन आज पैरेंट्स लगातार ऐसी तस्वीरों से घिरे रहते हैं, जो बताती रहती हैं कि बच्चों के लिए उन्हें क्या करना चाहिए। यह डिजिटल दबाव उनमें अयोग्यता और अपराधबोध का भाव पैदा करता है। अधिकतर 'सुपरमॉम्स' की सोशल मीडिया फीड्स इसे और बढ़ाती हैं। जैसे ही कोई उम्रदराज पैरेंट्स थोड़ा आगे बढ़ते हैं कि डिजिटल इकोसिस्टम नई सांस्कृतिक बहस खड़ी कर उनकी एंगजायटी फिर बढ़ा देता है। फंडा यह है कि निस्संदेह देरी से मां बनने के कुछ खास फायदे हैं, लेकिन लगता है कि इस फैसले से पैदा होने वाली चुनौतियां उन फायदों पर भारी पड़ने लगी हैं। अपने विचार मुझसे साझा कीजिए कि आप अपने आसपास क्या देख रहे हैं। एन. रघुरामन

मनुष्यों की तरह सब्जियों की भी अपनी पर्सनैलिटी होती है

एक अरसे के बाद मैंने सब्जी मार्केट में पैर रखा और मजा आ गया। मोटे-ताजे लाल टमाटर, खिलता हुआ फूलगोभी, हरा-भरा फ्रेश पालक। ऐसा लगा कि हर सब्जी मुझसे बतिया रही है, जैसे कि किसी कार्टून फिल्म ने उन्हें जान दे दी हो। जैसे मनुष्य की अलग-अलग पर्सनैलिटी है, वैसे ही हर सब्जी की भी है। भिंडी थोड़ी इठलाती है- ले लो, मुझे ले लो। घर पर सब पसंद करते हैं मुझे। टमाटर में तो अकड़ है ही- मेरे बिना तो खाना ही नहीं बनेगा। आलू भी इसी कैटेगरी में है पर वो घमंडी नहीं। वो अकेले भी सुखी, दूसरों के साथ भी घुल-मिल जाता है। इसलिए हर किसी को भाता है। बैंगन धीरे से पुकारता है- ले लीजिए ना। कूट-कूट कर भुर्ता जिस दिन बनेगा, मेरा जीवन सफल होगा। उधर करेला देवदास बना बैठा है। लोग उसे ठुकरा देते हैं, कड़वा समझकर। लेकिन एक चुटकी अमचूर की कीमत तुम क्या जानो, बाबू। सही ढंग से बनाओ, तभी तो मेरा स्वाद जानोगे। फ्रेंच बीन्स का अपना अंदाज है, फलियों की मिस यूनिवर्स जो है। लेकिन देखो बेचारी 'गंवार' फली को- बिल्कुल अनपढ़, फिगर भी नहीं। सेम इत्यादि अन्य फलियों की बातचीत हल्दी-जीरे तक सीमित है। लेकिन फ्रेंच बीन्स का सोशल सर्कल बहुत बड़ा है। दुनिया के टॉप शेफ्स के साथ उसका उठना-बैठना है। चुलबुली गाजर और कॉन्फिडेंट ककड़ी- दोनों जानते हैं कि इनकी जगह तो फिक्स है। खाने के पहले आप उनका सेवन जरूर करते हैं। उनका दिल भी बड़ा है। सेहत के शौकीन आजकल जाने क्या-क्या खाने लगे हैं। नाजुक-सी, रंग-बिरंगी एनआरआई सब्जियों ने अब मार्केट में अपना स्थान जमा लिया है। ब्रोकली, आइसबर्ग लेट्यूस, जुकीनी अब सब्जीवाले के ठेले पर मिल जाती हैं। यहां तक कि एवोकाडो भी अब देश का डार्लिंग है। इंस्टाग्राम पर उसकी इतनी फ्री पब्लिसिटी हुई कि चाटवाले भी एवोकाडो सेव पूरी बेचने लगे। मगर इस लोकप्रियता की रेस में हमारी देसी सब्जियों का क्या? तुरई, टिंडा, परवल, लौकी- इनका देश प्रेम इतना है कि इन्होंने कभी पासपोर्ट बनवाया नहीं। विदेशी सुपरमार्केट में इनका नामोनिशान नहीं। इनके फैन मिलना आसान नहीं। जहां-जहां ये बनते हैं, जरूर कोई बड़े-बुजुर्ग रहते हैं। वो लौकी-टिंडा, जिन्हें बच्चे मुंह बनाकर खाते हैं- क्या उनके कोई अधिकार नहीं? कब तक वो दबे रहेंगे, आपकी थैली में, आपके फ्रिज में? क्या उनका दिल नहीं करता कि किसी अच्छे रेस्तरां के मेन्यू में उनका नाम दिखे? खैर, सब्जियों के बीच वाद-विवाद तो चलता रहता है। लेकिन उनका असली दुश्मन कौन है? पनीर। हर शादी में, हर पार्टी में, हर फंक्शन में उस हड्डे-कड्डे सफेद स्पंज ने मेन्यू पर कब्जा करा हुआ है। उसके आस-पास लोग मंडरा रहे हैं, ग्रेवी में से चुन-चुन कर खा रहे हैं। उसको कहते हैं शाही पनीर, पनीर लबाबदार, पनीर पसंदा और हमें? मिक्स वेजिटेबल। कौन खाएगा? भाई समय आ गया है कि हम भी एक आंदोलन शुरू करें। आप लोग हमारी कदर कीजिए। मार्केट में आकर लीजिए। यह जो कल्चर है ऐप से मंगाने का, समय आ गया है कुछ समझाने का। प्लास्टिक में कैद हमें वो करते हैं, अंदर ही अंदर से हम मरते हैं। कोई प्यार से हमें सहलाता नहीं, चुन-चुन कर थैली में डालता नहीं। गोदाम के अंधेरे में हम पड़े हुए हैं, हमारे कुछ साथी सड़े हुए हैं। कोई खूब पैसे बना रहा है, छोटा आदमी इसमें मारा जा रहा है। जब हो सके मंडी में आया करो, अपने बच्चों को साथ लाया करो। भिंडी कैसे चुनते हैं उन्हें सिखाना, धनिये और पुदीने में फर्क दिखाना। पुराने जमाने की आउटिंग थी सब्जी बाजार का चक्कर, आते हुए ले आना आटा और शक्कर। यह वो काम था जो जेंट्स भी करते थे, ऑफिस से लौटते हुए थैला भरते थे। अब बड़े शहरों में लोगों के पास टाइम नहीं। ऑनलाइन ऑर्डर करना लगता है सही। खैर मैंने तय किया है हर हफ्ते खुद जाऊंगी। अपनी पसंद की ताजी सब्जियां लाऊंगी। काट कर, घिस कर, कम तेल में पका कर। मिलेगा मुझे सुख खा कर। वैसे पनीर भी अपनी जगह अच्छा है। प्रोटीन उसका सच्चा है। मगर सब्जी को भी हक दीजिए। अपने शरीर को चुस्त कीजिए। जब हो सके मंडी में आया करो, बच्चों को साथ लाया करो। भिंडी कैसे चुनते हैं उन्हें सिखाना, धनिये-पुदीने में फर्क दिखाना। पुराने जमाने की आउटिंग थी सब्जी बाजार का चक्कर, आते हुए ले आना आटा और शक्कर। यह काम जेंट्स भी करते थे, ऑफिस से लौटते थैला भरते थे। (ये लेखिका के अपने विचार हैं, रश्मि बंसल)

एसआईआर- 30 करोड़ वोटर कार्ड से धुंधले फोटो हटेंगे,अब मकान नंबर की जगह '00' नहीं लिखा जाएगा, पता दर्ज होगा

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर वोटरों की पहचान करने के अंतिम दौर में

पहुंच रहा है। अब बचे हुए 39 करोड़ 73 लाख वोटर्स के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी है। एसआईआर के बाद अब तक तैयार 59 करोड़ मतदाताओं के फोटो न सिर्फ हाल ही के हैं बल्कि रंगीन भी हैं।

चुनाव आयोग के 9 लाख 20 हजार से ?ज्यादा बू?थ लेवल अफसरों (बीएलओ) ने मोबाइल से वोटरों के फोटो उनके पहचान पत्र के साथ जोड़कर मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाया है। इसके लिए बीएलओ ने कोई फीस नहीं ली।

पहले कार्ड में फोटो नहीं थे, या फिर बहुत धुंधले- पहले दौर में बिहार और सेकेंड फेज के 12 राज्यों के वोटर्स की घर-घर जाकर पुष्टि के बाद 59 करोड़ वोटरों के नए पहचान पत्र बने हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव कार्ड की फोटो का है।

पहले के करीब 30फीसदी वोटर कार्ड में फोटो थे ही नहीं। किसी में तो ?इतने धुंधले थे कि पहचानना मुश्किल था। वजह ये कि संविधान में फोटो आईडी कार्ड का जिक्र ही नहीं है। ऐसे में फोटो के लिए मतदाता को बाध्य नहीं किया जा सकता था।

पड़ताल से पता चला कि करीब 30 करोड़ फोटो नदारद, धुंधले, पुराने या पहचान से परे थे। जो फोटो थे वे 20-30 साल पुराने थे।

7 सवाल-जवाब में जानिए एसआईआर एंड से क्या फर्क पड़ा- एसआईआर अभियान से मतदाता सूची में क्या बदल गया?सबसे अहम बदलाव यह है कि अब कोई भी मतदाता एक से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में अपना नाम दर्ज नहीं रख पाएगा।

इस अभियान के तहत मतदाताओं को अपना मौजूदा निवास स्थान चुनने की पूरी छूट दी गई और बाकी सभी पुरानी जगहों से उनके नाम हटा दिए गए हैं।

कोई ज्यादा जगहों पर नाम दर्ज रखता है, तो क्या?आयोग ने इसके लिए सख्त हिदायत दी है। एसआईआर के दौरान सभी को अपनी गलती सुधारने का मौका दिया गया था।

इसके बावजूद अगर किसी का नाम एक से ज्यादा जगह पर दर्ज मिलता है, तो इसे अब पहचान के लिए क्या कैटेगरी है?इसके लिए आयोग ने 'एएसडीडी' कैटेगरी बनाई है। इसका पूरा नाम 'अबसेंट, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, डिसीज्ड' है। इसके तहत उनकी पहचान की जाएगी जो या तो मौजूद नहीं हैं, दूसरी जगह चले गए, जिनके पास दोहरे कार्ड हैं या जिनकी मौत हो चुकी है।

अब तक कितने डुप्लीकेट कार्ड हटाए जा चुके हैं? इसके परिणामस्वरूप अब तक मतदाता सूची से 2.6 लाख डुप्लीकेट एपिक नंबर पूरी तरह से हटाए जा चुके हैं। संदिग्ध वोटर्स को पकड़ने के लिए क्या तकनीक?

इसके लिए चुनाव आयोग ने 'फोटो सिमिलर इलेक्टोर' और 'डेमोग्राफिकली सिमिलर इलेक्टोर' जैसे बेहद एडवांस एनालिटिक सॉफ्टवेयर टूल्स का इस्तेमाल किया है, जो हूबहू मिलने वाले रिकॉर्ड्स को तुरंत पकड़ लेते हैं।

चुनावों में मतदान प्रतिशत पर क्या असर पड़ेगा? लिस्ट से मृतकों, गैर-मौजूद और फर्जी मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, इसलिए अब वास्तविक और सक्रिय मतदाता ही रिकॉर्ड में बचे हैं। इससे आने वाले चुनावों में मतदान का प्रतिशत ज्यादा सटीक और बढ़ा हुआ दिखाई देगा। उम्मीदवारों के लिए ये किस प्रकार मददगार होगी?केवल उन्हीं लोगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी जो सचमुच वहां निवास करते हैं। असली वोटर्स की सही लिस्ट मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट कह चुका- एसआईआर अवैध नहीं; चुनाव आयोग शर्तों के साथ नागरिकता जांच सकता है-बिहार एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं से ही मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। मई 2026 में एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को वैध और संवैधानिक करार दिया। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा था कि एसआईआर मनमाना नहीं है। चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया चलाने का अधिकार है। भारत में एसआईआर करीब 21 साल बाद हो रहा है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इससे पहले देशभर में ऐसा बड़ा अभियान 2002 से 2004 के बीच चला था। चुनाव आयोग ने बताया था कि देश में एसआईआर की प्रक्रिया आठवीं बार हो रही है।

जून 2025 में बिहार से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। इस दौरान 7.41 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम उत्तर प्रदेश से कटे।

असम में स्पेशल रिवीजन (एसआर) हुआ। एसआईआर के तीसरे फेज 16 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश कवर होंगे। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी।

चुनाव आयोग ने हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा की है। यह एसआईआर का तीसरा फेज होगा। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटर्स का वेरिफिकेशन होगा।

ट्रम्प का दावा- आज तो जरूर शांति समझौता होगा, होर्मुज भी खुलेगा,ईरान फिर बोला- समझौते की कोई तारीख तय नहीं, होर्मुज में नए नियम लागू करेंगे

तेहरान। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के साथ रविवार को शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने वाले हैं। इसके तुरंत बाद होर्मुज स्ट्रेट सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा। साथ ही हालात सामान्य होने के बाद अमेरिका ने ट्रम्प के दावे पर सवाल उठाएः ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रविवार को समझौते पर हस्ताक्षर नहीं होंगे। बातचीत जारी है, लेकिन अभी कोई अंतिम तारीख तय नहीं हुई है। समझौते के बाद 60 दिन की नई कतर के अधिकारी ईरानी नेतृत्व से बातचीत कर समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस दौरे का मकसद राजनयिक प्रक्रिया से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा करना है। ईरान की इस्ना न्यूज

ईरान का एनरिच्ड यूरेनियम निकालकर खत्म करेगा। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर यह प्रोसेस सफल नहीं हुई तो अमेरिका के पास आखिरी विकल्प भी मौजूद है, जिसे वह दोबारा इस्तेमाल नहीं करना चाहता। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता रविवार को साइन नहीं होगा। यह समझौता अगले कुछ दिनों में हो सकता है, लेकिन अभी इसकी तारीख तय नहीं है। प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने यह भी कहा कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए नए नियम लागू कर रहा है। आगे चलकर होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से वहां दी जाने वाली सेवाओं के बदले टैक्स लिया जा सकता है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ट्रम्प का दावा- रविवार को शांति समझौता होगाः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों के बीच रविवार को समझौता होगा और इसके बाद होर्मुज स्ट्रेट सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा। ईरान बातचीत का प्लानः रिपोर्ट के मुताबिक पहले एक अंतरिम एमओयू साइन होगा। इसके बाद 60 दिनों तक परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत और होर्मुज स्ट्रेट के संचालन जैसे मुद्दों पर तकनीकी बातचीत होगी। भारत-अमेरिका के बीच जहाजों पर हमलों को लेकर तनावः भारत ने भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमलों को लेकर दूसरी बार अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। वहीं ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान ने भारतीय जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। ईरान ने यूरेनियम छिपाने के लिए सुरंगें बंद कीं: सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने इस्फहान परमाणु केंद्र में रखे हाईली एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने वाली कई सुरंगों को बंद कर दिया है और रास्तों पर विस्फोटक माइंस बिछा दी हैं।रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए प्रस्तावित समझौते को अंतिम मंजूरी दिलाने की कोशिश में कतर का एक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया कि एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मध्यस्थता टीम का नेतृत्व प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी के एक सलाहकार कर रहे हैं। ईरान के मशहद शहर में विदेश मंत्रालय के कार्यालय के बाहर दर्जनों लोगों ने अमेरिका के साथ संभावित शांति समझौते के खिलाफ प्रदर्शन किया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने विदेश मंत्री अब्बास अराघची के खिलाफ नारे लगाए और उन पर समझौते में जरूरत से ज्यादा रियायतें देने का आरोप लगाया।विरोध करने वालों का कहना है कि मौजूदा समझौता ईरान के रणनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है और होर्मुज स्ट्रेट पर उसके दबाव बनाने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर तेहरान में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शनों के वीडियो सामने आए हैं। कुछ प्रदर्शनकारी अराघची और संसद अध्यक्ष बाघेर गालिबाफ के इस्तीफे की मांग करते नजर आए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया था कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता ऑनलाइन हस्ताक्षर के जरिए हो सकता है। हालांकि अल जजीरा के मुताबिक, रविवार के लिए जारी उनके आधिकारिक कार्यक्रम में ऐसे किसी समारोह का जिक्र नहीं है। जरूरत पड़ने पर कार्यक्रम में बाद में बदलाव किया जा सकता है। हिजबुल्लाह ने एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि उसने विस्फोटक ड्रोन से इजराइली सेना के कई ठिकानों और सैन्य उपकरणों को निशाना बनाया। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना के मुताबिक, वीडियो में कथित तौर पर इजराइली सैनिकों की तैनाती वाली जगहों पर ड्रोन हमले दिखाए गए हैं। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को 80वें जन्मदिन की बधाई देते हुए इजराइल के समर्थन के लिए उनका धन्यवाद किया। हर्जोग ने कहा कि इजराइल की जनता ईरान के खिलाफ ट्रम्प के नेतृत्व और इजराइल की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की आभारी है। हर्जोग ने उम्मीद जताई कि ट्रम्प मध्य पूर्व और दुनिया को शांति और सुरक्षा की दिशा में आगे ले जाएंगे और अमेरिका-इजराइल साझेदारी को और मजबूत करेंगे। इजराइली न्यूज वेबसाइट वाईनेट की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली अधिकारी इस बात से परेशान हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता के नतीजों पर उनका असर नहीं दिख रहा। एक सीनियर अधिकारी ने संभावित समझौते को खराब समझौता बताया। संभावित समझौते की खबरों के बाद इजराइली मीडिया में चिंता और आलोचना देखने को मिल रही है। कई टिप्पणीकारों का मानना है कि इस समझौते से ईरान का प्रभाव और बढ़ सकता है। अल जजीरा के मुताबिक, इजराइली अखबार मारिव के कॉलमिस्ट बेन कैस्पिट ने लिखा कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कुछ सैन्य लड़ाइयां जीतीं, लेकिन ईरान के खिलाफ बड़ी राजनीतिक लड़ाई हार गए। इसी अखबार के एक अन्य कॉलमिस्ट अवी अशकेनाजी ने कहा कि इजराइल समझौते की शर्तों को प्रभावित नहीं कर पाया, जो राजनीतिक नेतृत्व की नाकामी दिखाता है।

सीजेपी का बेंगलुरु में प्रदर्शन, प्रकाश राज शामिल होंगे,अब तक 4 शहरों में प्रोटेस्ट, शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग

बेंगलुरु। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आज शाम 4 बजे

बेंगलुरु में प्रदर्शन करेगी। इस प्रदर्शन में एक्टर प्रकाश राज भी शामिल होंगे। पिछले 9 दिनों में एन्क्फाउंडर अभिजीत दीपके और उनके समर्थक देश के 4 शहरों में विरोध जता चुके हैं। इसकी शुरुआत 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर से हुई थी। इसके बाद 11 जून को पुणे, 12 जून को लखनऊ, 13 जून को अमृतसर में प्रदर्शन किया था। 20 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की शुरुआत चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद हुई। 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं। इस टिप्पणी के अगले दिन, 16 मई को अमेरिका में रह रहे अभिजीत दीपके ने सीजेपी की शुरुआत की और सोशल मीडिया पर पार्टी के अकाउंट बनाए। 22 मई को उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक ऑनलाइन याचिका शुरू की, जिसे 8 लाख से अधिक लोगों का समर्थन मिलने का दावा किया गया। सीजेपी बनने के महज 26 दिनों में इंस्टाग्राम पर उसके फॉलोअर्स 2.27 करोड़ तक पहुंच गए हैं। यह संख्या भाजपा के 94 लाख और कांग्रेस के 1.37 करोड़ फॉलोअर्स से ज्यादा है। एक्स पर सीजेपी के 2.75 लाख फॉलोअर्स हैं।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के दबाव में राम-प्रतिमा का प्रोजेक्ट रुका,2025 में शुरू हुआ था प्रोजेक्ट

ढाका। बांग्लादेश के गैबांधा

जिले में 82 फीट ऊंची राम प्रतिमा का प्रोजेक्ट कट्टरपंथी दबाव के बाद रोक दिया गया है। यह प्रतिमा श्री श्री राधा गोबिंद और काली मंदिर परिसर में बन रही थी। मंदिर समिति ने इसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए अस्थायी रोक बताया है, लेकिन इसकी असली वजह कट्टरपंथी संगठनों का दबाव बताया जा रहा है। प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे कट्टरपंथी संगठनों ने अधूरी संरचना गिराने तक की मांग की है। इमाम-उलमा परिषद ने प्रोजेक्ट पूरी तरह रद्द करने, भविष्य में ऐसी किसी पहल पर रोक लगाने और फंडिंग की जांच कराने की मांग रखी है। बता दें ?कि यह निर्माण 2025 की शुरुआत में निजी फंडिंग से शुरू हुआ था। परिसर में पहले से 100 से ज्यादा देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। इनमें 30 फीट की शिव प्रतिमा और 53 फीट की कृष्ण प्रतिमा भी शामिल है। राम प्रतिमा को एशिया की सबसे बड़ी राम प्रतिमा के रूप में पेश किया जा रहा था। इस परियोजना पर 17 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होने थे। कट्टरपंथियों ने फंडिंग-खातों की खुफिया जांच की मांग की- कट्टरपंथी संगठन इमाम-उलमा परिषद और अन्य ने इस प्रोजेक्ट की फंडिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि खुफिया एजेंसियां जांच करें कि क्या किसी विदेशी सरकार या संगठन से पैसा आया है। इस मांग में परोक्ष रूप से भारत की ओर इशारा माना जा रहा है। विरोधियों ने इस पहल से जुड़े लोगों के बैंक खातों व संपत्तियों की जांच कराने की भी मांग की है। उनका कहना है कि प्रोजेक्ट का हमारी संप्रभुता पर असर होगा। बीते दो साल में दो और प्रोजेक्ट पर लग चुकी है रोक-राम प्रतिमा प्रोजेक्ट से पहले भी दो साल में हिंदू आस्था से जुड़े 2 प्रोजेक्ट पर रोक लग चुकी है। 2025 में कट्टरपंथियों के विरोध पर ढाका में दुर्गा मंदिर प्रशासन ने गिराई। 2024 में ढाका के उत्तरा में दुर्गा पूजा मूर्ति स्थापना पर आपत्ति के बाद उसकी जगह बदलनी पड़ी। दो साल में हिंदुओं पर 2,839 हमले व 100 हत्याएं-अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों पर 2,839 हमले हुए हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के अनुसार, 4-20 अगस्त 2024 के बीच 2,010 घटनाएं हुईं। 2025 में 522 तो 2026 के पहले 3 महीनों में 133 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें 100 से ज्यादा हत्याएं, यौन हिंसा, घर-दुकान पर हमला, मंदिरों-प्रतिमाओं की तोड़फोड़, लूट, आगजनी और जमीन कब्जे जैसी घटनाएं शामिल हैं।

100फीसदी इथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां, सरकार ने दी मंजूरी,6 हफ्ते में कंपनियां इसके लिए गाड़ियां लॉन्च करेंगी-नितिन गडकरी

नागपुर। केंद्र सरकार ने देश में 100फीसदी शुद्ध इथेनॉल को बतौर ईंधन इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, 13 जून को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस फैसले से जुड़े नियमों और रेगुलेशंस को अंतिम रूप देने वाली फाइल पर उन्होंने साइन कर दिए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल (फॉसिल फ्यूल) के इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले प्रदूषण को रोकना है। अगले 6 हफ्तों में बाजार में आएंगी इथेनॉल से चलने वाली कारें-केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस बदलाव को स्वीकार कर लिया है और कई बड़ी कंपनियां 100फीसदी इथेनॉल से चलने वाले वाहन बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गडकरी के मुताबिक, टोयोटा , सुजुकी, एमजी और हुंडई सहित अन्य कंपनियां अगले 6 हफ्तों के भीतर अपने ऐसे नए मॉडल्स भारतीय बाजार में लॉन्च करने जा रही हैं जो पूरी तरह इथेनॉल पर चलेंगे। पेट्रोल के मुकाबले काफी सस्ता ऑप्शन, घटेगा इम्पोर्ट बिल-नितिन गडकरी ने जोर देकर कहा कि इथेनॉल पेट्रोल के मुकाबले किफायती और टिकाऊ विकल्प बनकर उभर सकता है। भारत अभी अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा विदेशों से क्रूड ऑयल इम्पोर्ट करके पूरा करता है, जिससे देश के खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ता है। 100फीसदी इथेनॉल के आने से न सिर्फ आम जनता को महंगे पेट्रोल से राहत मिलेगी, बल्कि भारत का भारी-भरकम ईंधन आयात बिल भी काफी हद तक कम हो जाएगा। क्या होता है एथेनॉल? एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में इको-फ्रैंडली फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है। फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल : फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल गन्ने के रस, मीठे चुकंदर, सड़े आलू, मीठा ज्वार और मक्का से बनाया जाता है।सेकेंड जनरेशन एथेनॉल : सेकेंड जनरेशन एथेनॉल सेल्युलोज और लिग्नोसेल्यूलोसिक मटेरियल जैसे- चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, कॉर्नकॉब (भुट्टा), बांस और वुडी बायोमास से बनाया जाता है। थर्ड जनरेशन बायोफ्यूल : थर्ड जनरेशन बायोफ्यूल को एलगी से बनाया जाएगा। अभी इस पर काम चल रहा है। पिछले हफ्ते ही लॉन्च हुआ था ई-85 फ्यूल, बायोफ्यूल पर सरकार का फोकस-ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। इसी कड़ी में पिछले हफ्ते ही सरकार ने फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए ई85 ईंधन पेश किया था। दिल्ली में ई85 फ्यूल की कीमत रु82.12 प्रति लीटर तय की गई है। यह दिल्ली में बिक रहे रेगुलर ई20 पेट्रोल से पूरे रु20 कम है। यह ईंधन एक ऐसा मिश्रण है जिसमें 85फीसदी तक इथेनॉल और 15फीसदी पेट्रोल मिलाया जाता है। अब 100फीसदी इथेनॉल को मंजूरी मिलने से देश में ग्रीन एनर्जी और बायोफ्यूल के सेक्टर में एक नया चैप्टर शुरू हो गया है। अभी बाजार में 4 तरह के फ्लेक्स-फ्यूल बिक रहे हैं। सिर्फ इन चुनिंदा गाड़ियों में इस्तेमाल किया जा सकेगा-ई85 फ्यूल को सामान्य पेट्रोल गाड़ियों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। इसके लिए गाड़ियों का इंजन खास तौर पर 'फ्लेक्स-फ्यूल' तकनीक पर आधारित होना चाहिए। मारुति सुजुकी वैगनआर फ्लेक्स-फ्यूलः यह भारत की पहली पैसेंजर कार है, जिसे ई100 (100फीसदी एथेनॉल) तक के ब्लेंड पर चलने के लिए तैयार किया गया है, जो ई85 के लिए पूरी तरह सही है। हीरो स्प्लेंडर प्लस और एचएफ डीलक्सः हीरो मोटोकॉर्प ने देश के मास-मार्केट 100सीसी सेगमेंट में पहली फ्लेक्स-फ्यूल मोटरसाइकिल पेश की है।

बंजी जंप से पहले रस्सी बांधना भूले कर्मचारी, नीचे गिरकर 21 साल की युवती की मौत

ब्राजील। में बंजी जंप के दौरान एक दर्दनाक हादसे में

21 साल की मारिया एडुआर्डा रोड्रिग्स डी फ्रेटास की मौत हो गई। आरोप है कि कर्मचारियों ने सुरक्षा रस्सी लगाए बिना ही उसे पुल से कूदने के लिए छोड़ दिया। मारिया करीब 130 फीट नीचे खाई में गिर गई। मौके पर पहुंची राहत टीम ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में 6 लोगों को हिरासत में लिया है। यह हादसा साओ पाउलो राज्य के स्क्वेलेटन ब्रिज पर हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि मारिया को पुल के किनारे ले जाया गया और फिर नीचे छोड़ दिया गया।तभी लोगों को पता चला कि सुरक्षा रस्सी उससे जुड़ी ही नहीं थी।

फैंस ने हाथ और छाती पर ऑटोग्राफ मांगा,रमणीक बोलीं- काफी फनी मोमेंट था

मुंबई। कलर्स के नए शो 'बरेली के बच्चन' में रिश्तों, सपनों और रोजमर्रा की उलझनों से जुड़े एक परिवार की कहानी दिखाई जा रही है। शो के मुख्य कलाकार प्रविष्ट मिश्रा और रमणीक कटारिया ने अपने किरदारों की तैयारी, शो की खासियत, शूटिंग के मजेदार किस्सों और फैमिली ड्रामा के बदलते ट्रेंड पर बात की। उन्होंने कहा कि यह शो दर्शकों को किसी आम

परिवार की कहानी जैसा महसूस होगा। सवालः कृष्ण और रियल लाइफ के प्रविष्ट में सबसे बड़ी समानता क्या है? जवाब/प्रविष्टः कृष्ण और मेरे बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि हम दोनों को ऊपरवाले पर अटूट विश्वास है। सवालः रमणीक, संगम को एक लाइन में कैसे डिस्क्राइब करेंगी? जवाब/रमणीकः महत्वाकांक्षी, स्वतंत्र और बिल्कुल रियल। सवालः प्रविष्ट, 'बरेली के बच्चन' में ऐसा क्या था जिसने आपको तुरंत हां कहने पर मजबूर किया? जवाब/प्रविष्टः कृष्ण का किरदार और यूपी के लड़के का कैरेक्टर निभाने का मौका। सवालः रमणीक, संगम किरदार के लिए आपने कोई खास तैयारी की थी? जवाब/रमणीकः हां। मैं दिल्ली से हूं और हमारे घर में कई सालों से काम करने वाली दीदी का परिवार 'बरेली के बच्चन' के घर जैसा ही है। मैंने उनके परिवार की कहानियां सुनीं, घर का माहौल समझा और उन्हीं अनुभवों से संगम का किरदार बनाया। सवालः आजकल फैमिली ड्रामा कम देखने को मिलते हैं। आपको क्या लगता है, यह शो दर्शकों से कैसे जुड़ पाएगा? जवाब/प्रविष्टः मुझे लगता है कि इस शो की सबसे बड़ी ताकत इसकी रियलनेस है। हर किसी को दूसरे घर की कहानी जानने में दिलचस्पी होती है और यह शो वैसा ही महसूस होगा। इसमें दिखावे वाला ड्रामा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की वही बातें और समस्याएं हैं जो असली घरों में होती हैं। दर्शकों को लगेगा जैसे किसी पड़ोसी के घर में कैमरा लगा हो। सवालः रमणीक, आपके हिसाब से परिवार में प्यार ज्यादा जरूरी है या जुगाड़? जवाब/रमणीकः प्यार। हालांकि संगम की फैमिली में इज्जत और बाकी चीजों को भी अहमियत दी जाती है। सवालः सेट पर सबसे ज्यादा मस्ती और प्रैंक कौन करता है? जवाब/प्रविष्टः मैं तो नहीं करता। सवालः शूटिंग के दौरान सबसे मजेदार घटना कौन-सी थी? जवाब/रमणीकः बरेली में शूटिंग के दौरान बहुत सारे फैंस आ गए थे। कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि उनके हाथ और छाती पर ऑटोग्राफ कर दूं। वह काफी फनी मोमेंट था। सवालः अगर कृष्ण को एक दिन के लिए बच्चन परिवार से छुट्टी मिल जाए, तो वह सबसे पहले क्या करेगा? जवाब/प्रविष्टः वह सबसे पहले संगम के पीछे जाएगा। सवालः दर्शक संगम से क्या सीख सकते हैं? जवाब/रमणीकः अपने सपनों और महत्वाकांक्षाओं का पीछा करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए। रास्ते में कितनी भी मुश्किलें आएं या कोई रोके, हार नहीं माननी चाहिए।

सलमान खान ही बिग बॉस 20 होस्ट करेंगे,21 सितंबर से शुरू कर सकते हैं शूटिंग, शो में पुराने कंटेस्टेंट्स भी आ सकते हैं

मुंबई। रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 20वें सीजन के लिए सलमान खान होस्ट के रूप में

वापसी करेंगे। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, वह 21 सितंबर से नए सीजन की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इससे पहले सलमान खान डायरेक्टर वामसी पेडिपल्ली की आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग का बड़ा हिस्सा पूरा करने की तैयारी में हैं। इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी। सूत्र के मुताबिक, एक्टर की टीम उनकी शूटिंग और शो के शेड्यूल को कोऑर्डिनेट करने में बिजी है। 'बिग बॉस 20' के लिए शॉर्टलिस्टिंग और ऑडिशन जल्द शुरू होने की उम्मीद है। सूत्र का कहना है कि शो के मेकर्स ने कई जाने-माने टीवी पर्सनैलिटीज से संपर्क किया है और शुरुआती बातचीत चल रही है। रियलिटी शो के कुछ कंटेस्टेंट्स को नए सीजन के लिए भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। यह पहल ध्ऊ दर्शकों के एंगेजमेंट को देखते हुए की जा रही है। इसके अलावा, शो के कुछ पुराने कंटेस्टेंट्स भी वापस आ सकते हैं। शो के फॉर्मेट और कंटेस्टेंट लिस्ट के बारे में और जानकारी आने वाले हफ्तों में सामने आ सकती है। बता दें कि 'बिग बॉस 19' में गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट, अमाल मलिक, तान्या मित्तल और बसीर अली जैसे कंटेस्टेंट शामिल थे। वहीं, सलमान खान डायरेक्टर अपूर्व लाखिया की फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी हैं। सलमान फिल्म में कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है। बिग बॉस का इतिहास-बिग बॉस का आइडिया 1997 में नीदरलैंड में शुरू हुए शो बिग ब्रदर से लिया गया था। भारत में यह शो 2006 में आया। शुरुआत में इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन समय के साथ यह सबसे चर्चित रियलिटी शो में से एक बन गया। पहले सीजन में राहुल रॉय और कैरोल ग्रेसियस जैसे नाम थे। शो के पहले होस्ट अरशद वारसी थे, फिर शिल्पा शेट्टी और अमिताभ बच्चन जैसे सितारों ने शो को होस्ट किया। 2010 से सलमान इस शो को होस्ट कर रहे हैं।

लॉकअप तक क्यों पहुंचा नेटफ्लिक्स? भारत के सबसे बड़े ओटीटी की सबसे बड़ी बेचैना

नयी दिल्ली। भारत में नेटफ्लिक्स के पास बड़े सितारे, बड़े बजट और वैश्विक पहचान है। फिर भी वह अमेजन प्राइम, जियोहॉटस्टार और दूसरे

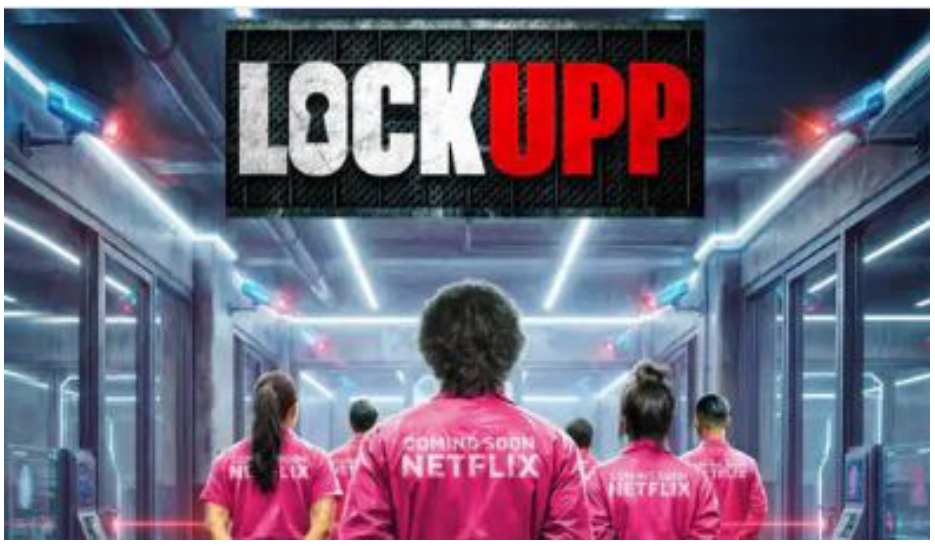

ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसा सांस्कृतिक प्रभाव नहीं बना पाया। सवाल सिर्फ फ्लॉप शो का नहीं, दर्शकों से जुड़ाव का भी है। जहां दूसरे प्लेटफॉर्म ऐसे किरदार और कहानियां बनाने में सफल रहे जो लोगों की बातचीत का हिस्सा बन गए, वहीं नेटफ्लिक्स के कई चर्चित प्रोजेक्ट रिलीज के कुछ समय बाद भुला दिए गए। अब सवाल यह है कि भारतीय बाजार में नेटफ्लिक्स कहां चूक गया और 'लॉकअप' उसके लिए कितना बड़ा इम्तिहान साबित होगा। इसे समझने के लिए हमने डायरेक्टर विवेक शर्मा, लेखक धीरज मिश्रा और ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन से बातचीत की। भारत में नेटफ्लिक्स की आलोचना अक्सर इस बात पर होती है कि उसके कई बड़े प्रोजेक्ट उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए। लेकिन समस्या सिर्फ फ्लॉप शो या कमजोर व्यूअरशिप की नहीं है। सवाल यह है कि क्या नेटफ्लिक्स भारतीय दर्शकों के साथ वैसा भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव बना पाया है, जैसा उसके प्रतिस्पर्धी प्लेटफॉर्म बना चुके हैं। आज भारतीय मनोरंजन बाजार में सफलता सिर्फ व्यूअरशिप से तय नहीं होती। सफलता तब मानी जाती है जब किरदार लोगों की बातचीत का हिस्सा बन जाएं, संवाद सोशल मीडिया से निकलकर आम बोलचाल तक पहुंच जाएं और दर्शक अगले सीजन का इंतजार करें। यहीं नेटफ्लिक्स संघर्ष करता दिखाई देता है। फिल्म निर्देशक विवेक शर्मा का कहना है कि शुरुआत में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से उम्मीद थी कि वे नए फिल्ममेकरों, नई कहानियों और अलग कंटेंट के लिए मंच बनेंगे। लेकिन समय के साथ कई प्लेटफॉर्म उसी व्यवस्था का हिस्सा बन गए, जिससे बदलाव की उम्मीद थी। उनके मुताबिक नेटफ्लिक्स ने बड़े सितारों और बड़े बैनरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा किया, जबकि नए विचारों और प्रतिभाओं को अपेक्षित जगह नहीं मिली। अमेजन ने किरदार बनाए, नेटफ्लिक्स ने प्रोजेक्ट-अगर भारतीय ओटीटी बाजार का सबसे बड़ा विजेता चुना जाए तो अमेजन प्राइम वीडियो आगे दिखाई देता है। वजह सिर्फ अच्छी सीरीज नहीं, बल्कि मजबूत फ्रेंचाइजी का निर्माण है। कालीन भैया, गुड्डू पंडित, श्रीकांत तिवारी, हाथीराम चौधरी और सचिव जी अब सिर्फ किरदार नहीं रहे, भारत की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली एसवीओडी सीरीज बनी थी। वहीं 'मिर्जापुर' और 'पंचायत' आज भी दर्शकों की बातचीत का हिस्सा हैं। 'मिर्जापुर' सिर्फ एक सीरीज नहीं है। उस पर फिल्म भी बन रही है। उसके किरदारों की अलग पहचान है और उसकी दुनिया दर्शकों के दिमाग में आज भी जीवित है। विवेक शर्मा कहते हैं कि बड़े कलाकार किसी भी प्रोजेक्ट को शुरुआती चर्चा दिला सकते हैं, लेकिन लंबे समय तक वही कंटेंट टिकता है जिसमें नई सोच, मजबूत कहानी और याद रह जाने वाले किरदार हों। उनके मुताबिक दर्शक अब सिर्फ स्टार्स नहीं, बल्कि ऐसा कंटेंट चाहते हैं जो उन्हें नया अनुभव दे सके। यही वह क्षेत्र है जहां अमेजन प्राइम और दूसरे प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से आगे दिखाई देते हैं। बड़े सितारों पर दांव, लेकिन याद क्या रह गया? नेटफ्लिक्स ने पिछले कुछ वर्षों में लगभग हर बड़े कलाकार के साथ काम किया। सैफ अली खान, जयदीप अहलावत, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी, करीना कपूर खान, राजकुमार राव, विजय वर्मा और बॉबी देओल जैसे नाम उसकी रणनीति का हिस्सा रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि इन बड़े नामों के बावजूद कितने प्रोजेक्ट लंबे समय तक दर्शकों के बीच टिक पाए। सैफ अली खान के हालिया प्रोजेक्ट 'कर्तव्य' और समूहों के प्रभाव में लिए जाते हैं। एक ही बैनर या प्रोडक्शन हाउस को बार-बार बड़े प्रोजेक्ट मिलते हैं, जबकि नए लोगों और नए विचारों को पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। विवेक शर्मा कहते हैं कि कई ऐसे लोग कंटेंट से जुड़े फैसले ले रहे हैं जिन्होंने खुद रचनात्मक स्तर पर बड़ी सफलता हासिल नहीं की। ऐसे माहौल में नए विचारों और ताजा कंटेंट का आना मुश्किल हो जाता है। उनके मुताबिक नेटफ्लिक्स को गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है। उसे तय करना होगा कि वह सिर्फ बड़े नामों का प्लेटफॉर्म बनना चाहता है या नई प्रतिभाओं और नई कहानियों का मंच भी। भारत बदल गया, क्या नेटफ्लिक्स भी बदला?

ऑरमैक्स की 2025 रिपोर्ट के अनुसार भारत में ओटीटी दर्शकों की संख्या 60 करोड़ से ज्यादा पहुंच चुकी है। अब यह बाजार सिर्फ महानगरों और अंग्रेजी भाषी दर्शकों तक सीमित नहीं रहा। छोटे शहर, कस्बे, परिवार और क्षेत्रीय दर्शक इसकी सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं। लेखक धीरज मिश्रा का मानना है कि नेटफ्लिक्स आम भारतीय दर्शकों की नब्ज पकड़ने में देर कर गया। उनके मुताबिक शुरुआती दौर में प्लेटफॉर्म के शो तकनीकी रूप से मजबूत थे और महानगरों के दर्शकों को पसंद आए, लेकिन बड़े दर्शक वर्ग से उनका जुड़ाव सीमित रहा। धीरज मिश्रा कहते हैं कि इसी दौरान दूसरे ओटीटी प्लेटफॉर्म ऐसे शो और फिल्में लेकर आए जिनकी कहानियां और किरदार आम भारतीय दर्शकों के ज्यादा करीब थे। इसी वजह से उन्होंने तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर ली। ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन मानते हैं कि नेटफ्लिक्स की शुरुआती पोजिशनिंग भी उसकी सीमाओं का कारण बनी। शुरुआत से उसने खुद को प्रीमियम प्लेटफॉर्म के रूप में पेश किया। उसकी कीमत दूसरे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से ज्यादा रही, जबकि भारत प्राइस-सेंसिटिव मार्केट है। अतुल मोहन के मुताबिक अमेजन प्राइम, जियोहॉटस्टार और दूसरे प्लेटफॉर्म कम कीमत में ज्यादा वैल्यू देने में सफल रहे। खासकर 'पंचायत' जैसे शो उन दर्शकों तक पहुंचे जिन्होंने खुद को उन कहानियों में देखा। लॉकअप नेटफ्लिक्स को बचाएगा या बेनकाब करेगा? ऐसे समय में नेटफ्लिक्स का 'लॉकअप' जैसे रियलिटी फॉर्मेट की ओर बढ़ना इसकी बड़ी वजह यह थी कि एमएक्स प्लेयर को आम भारतीय दर्शकों का प्लेटफॉर्म माना जाता था। उनके मुताबिक अगर नेटफ्लिक्स अब इसी दिशा में बढ़ रहा है, तो इसका मतलब है कि वह भारतीय बाजार और बड़े दर्शक वर्ग को बेहतर समझने की कोशिश कर रहा है। साथ ही उसे एकता कपूर जैसे निर्माता का साथ मिल रहा है, जिन्हें दर्शकों की पसंद और सफल कंटेंट की अच्छी समझ रखने वाला प्रोड्यूसर माना जाता है। अगर 'लॉकअप' सफल होता है तो यह साबित कर सकता है कि नेटफ्लिक्स अब व्यापक भारतीय दर्शक वर्ग की ओर बढ़ रहा है। लेकिन अगर यह प्रयोग भी उम्मीद के मुताबिक सफल नहीं होता, तो सवाल और गंभीर हो जाएगा कि भारत में ऐसा कौन-सा फॉर्मेट है जिसमें नेटफ्लिक्स वास्तव में दर्शकों की नब्ज पकड़ सकता है। निष्कर्ष-भारत में नेटफ्लिक्स की सबसे बड़ी समस्या सिर्फ कंटेंट नहीं, कनेक्शन और कंटेंट विजन की भी है। विवेक शर्मा के मुताबिक प्लेटफॉर्म को नए फिल्ममेकरों, नई प्रतिभाओं और नए विचारों के लिए ज्यादा जगह बनानी होगी।

धीरज मिश्रा मानते हैं कि उसे आम भारतीय दर्शकों की पसंद और भावनाओं को बेहतर समझना होगा। वहीं अतुल मोहन के अनुसार उसकी प्रीमियम पोजिशनिंग और महंगी सदस्यता भी उसकी पहुंच सीमित करती रही है। नेटफ्लिक्स के पास पैसा, तकनीक, वैश्विक पहचान और बड़े सितारे हैं।

लेकिन भारतीय बाजार में सफलता सिर्फ बड़े नामों से नहीं मिलती। यहां दर्शक ऐसे किरदार और कहानियां चाहता है जिनसे वह जुड़ सके और जो उसकी अपनी दुनिया के करीब महसूस हों। शायद इसी वजह से नेटफ्लिक्स आज ऐसे मोड़ पर है जहां उसे सिर्फ नए शो नहीं, नए नजरिए की भी जरूरत है। सवाल यह नहीं कि नेटफ्लिक्स कंटेंट बना सकता है या नहीं। सवाल यह है कि क्या वह ऐसा कंटेंट बना सकता है जो भारतीय दर्शकों के दिल और यादों में जगह बना सके।

पति हैं गुस्से वाले-खुश रहें तो प्यार जताएं, लेकिन अंदाज़ा नहीं मिजाज़ कब बिगड़ जाए, डर में रहती हूं, क्या करूं?

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 33 साल है और मेरी शादी को 4 साल हो चुके हैं। मेरे पति बहुत गुस्से वाले हैं। जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं, लेकिन गुस्सा आने पर उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। इस वजह से मेरा भी ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। मैं हमेशा डरी हुई

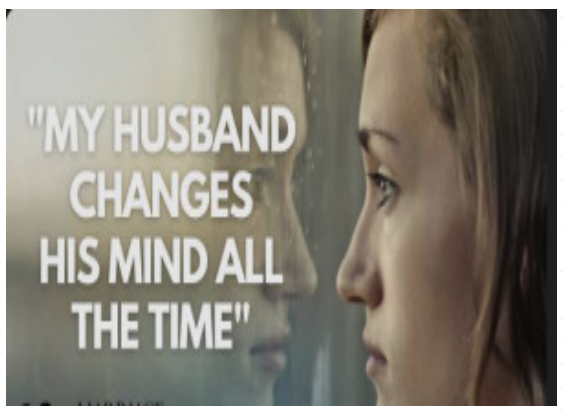

रहती हूं कि न जाने उन्हें किस बात पर गुस्सा आ जाए। अब इस सिचुएशन से निपटना मेरे लिए मुश्किल हो रहा है। मुझे क्या करना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुब्रुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- अपनी समस्या शेयर करने के लिए शुक्रिया। आपकी स्थिति काफी गंभीर है और इसे समझना बहुत जरूरी है। साइकोलॉजी में इस कंडीशन को 'वॉकिंग ऑन एगशेल्स' कहते हैं। यानी आप हर वक्त इस डर में रहती हैं कि आपके किसी कदम से सामने वाला गुस्से से 'फट' न जाए। 4 साल का समय ये समझने के लिए पर्याप्त है कि यह केवल उनका 'स्वभाव' नहीं, बल्कि एक कंसर्निंग पैटर्न है। प्यार और गुस्से का यह 'भ्रम' खतरनाक- अक्सर ऐसे रिश्तों में पार्टनर एक अजीब तरह के भ्रम में रहता है। आप कहती हैं कि 'जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं।' यही वह 'ट्रैप' है, जो आपको इस टॉक्सिक कंडीशन से बाहर नहीं निकलने देता। साइकोलॉजी के अनुसार, इसे 'इंटरमिटेंट रीइन्फोर्समेंट' कहते हैं। जब कोई व्यक्ति बुरा व्यवहार करता है और फिर अचानक बहुत सारा प्यार दिखाता है, तो सामने वाले को लगता है कि 'वह दिल के बुरे नहीं हैं, बस गुस्सा आ जाता है।' याद रखें, उनका अच्छा व्यवहार उनके अग्रेसिवनेस को जायज नहीं ठहराता। प्यार के बदले में डर की कीमत चुकाना किसी भी स्वस्थ रिश्ते की निशानी नहीं है। डर के साये में पनपने वाला रिश्ता धीरे-धीरे अपनी पहचान और आत्मविश्वास को खत्म कर देता है। आपके शरीर को मिल रहे हैं 'वार्निंग सिग्नल' आपका बढ़ता ब्लड प्रेशर और लगातार रहने वाली एंग्जाइटी महज एक फिजिकल इश्यू नहीं है। इसे 'साइकोसोमैटिक इफेक्ट' कहते हैं। जब ब्रेन किसी तनाव को प्रोसेस नहीं कर पाता या आप अपनी भावनाओं को लंबे समय तक दबाकर रखते हैं, तो ये धीरे-धीरे किसी बीमारी का रूप ले लेता है।लगातार डर में रहने से शरीर में 'कोर्टिसोल' (स्ट्रेस हॉर्मोन) का लेवल बढ़ जाता है। ये इम्यूनिटी, हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर पर सीधा असर डालता है। आपका शरीर बार-बार चेतावनी दे रहा है कि यह माहौल आपके लिए सुरक्षित नहीं है। अगर आज इस पर ध्यान नहीं दिया, तो यह समस्या भविष्य में हार्ट डिजीज या क्रॉनिक डिप्रेशन का रूप ले सकती है। पति के गुस्से की वजह समझें- हर बार गुस्सा सिर्फ स्वभाव से जुड़ा नहीं होता है। कई बार इसके पीछे तनाव, पुराने अनुभव, भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई या खुद को समझा न पाने की परेशानी भी छिपी हो सकती है। अक्सर पत्नियां खुद को दोष देने लगती हैं या पति को शांत करने की जिम्मेदारी उठा लेती हैं। लेकिन यहां ये समझना जरूरी है कि आप किसी के गुस्से की 'मैनेजर' नहीं हैं। उन्हें शांत करना या उनके ट्रिगर को बचाना आपकी ड्यूटी नहीं है। गुस्सा कब एब्यूजिव हो सकता है,जब हम किसी के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं, तो हमारा 'लॉजिक' काम करना बंद कर देता है। आप उनके साथ बिताए अच्छे पलों को याद कर बुरे पलों को नजरअंदाज करती हैं। लेकिन आपको ठंडे दिमाग से कुछ सवालों के जवाब खुद को देने होंगे। क्या मैं इस घर में सुरक्षित महसूस करती हूं? क्या मेरी खुशी मेरी सेहत उनकी प्राथमिकता है? क्या बच्चा इस माहौल में स्वस्थ रूप से बढ़ पाएगा? पिछली बार मैं कब बिना किसी डर के खुलकर हंसी थी ? क्या मैं अपनी बहन को ऐसे रिश्ते में रहने की सलाह देती? क्या वे हर किसी के ऊपर इसी तरह चिल्लाते हैं? क्या वे अपने गुस्से पर शर्मिंदगी महसूस करते हैं? क्या वे खुद को बदलने की बात करते हैं? क्या वे इसके लिए प्रोफेशनल मदद चाहते हैं? क्या मैं अगले 20 साल इसी डर में बिता सकती हूं? स्थिति को सुधारने के लिए क्या करें? अगर लगता है कि इस रिश्ते में अभी भी गुंजाइश है और आपके पति बदलाव के लिए तैयार हो सकते हैं, तो एक एक्शन प्लान के साथ काम करना होगा। 1. हेल्दी बाउंड्री तय करें- जब वे शांत हों, तब उनसे बात करें। उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहें, 'मुझे आपसे प्यार है, लेकिन आपका चिल्लाना और अपमान करना मुझे स्वीकार्य नहीं है। जब आप चिल्लाएंगे, मैं उस कमरे से बाहर चली जाऊंगी।' इसे 'सेट लिमिट्स' कहते हैं। 2. बातचीत के लिए सही समय चुनें- गुस्से के दौरान दी गई कोई भी दलील 'आग में घी' का काम करती है। इसलिए पति से बातचीत के लिए ऐसा समय चुनें, जब वह खुश हों और उनका मूड अच्छा हो। इस दौरान समझदारी के साथ अपनी बात रखें। 3. प्रोफेशनल हेल्प लें- अक्सर 'घर की बातें घर में' रखने के चक्कर में हम काउंसलर से सलाह नहीं लेते। लेकिन ऐसे समय में प्रोफेशनल हेल्प लेना जरूरी है। इसके लिए 'कपल थेरेपी' या 'एंगर मैनेजमेंट' की क्लासेज जॉइन कर सकते हैं। अगर वे ऐसा करने से मना करते हैं, तो यह संकेत है कि उन्हें आपकी परवाह नहीं है।4. अपना सपोर्ट सिस्टम बनाएं- अकेले इस बोझ को न उठाएं। अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद दोस्त को इस स्थिति के बारे में बताएं।

जब लोग जानते हैं कि क्या हो रहा है, तो सामने वाले पर एक सामाजिक दबाव भी बनता है कि वह अपना व्यवहार सुधारे। गुस्से से कैसे निपटें? प्रोफेशनल हेल्प के दौरान भी आपको खुद ही इस गुस्से से निपटना होगा तो इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। किसी भी रिश्ते को बचाने की जिम्मेदारी केवल एक व्यक्ति की नहीं होती। अगर पति बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं, अपनी गलती नहीं मानते और आपका स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, तो आप समझदारी से फैसला ले सकती हैं। अंतिम सलाह- आपकी सुरक्षा और आत्म-सम्मान सबसे ऊपर है। पति के अच्छे व्यवहार के दिनों को ढाल बनाकर उनके बुरे व्यवहार को नजरअंदाज न करें। अगर वे बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं और आपकी सेहत बिगड़ती जा रही है, तो आपको अपने भविष्य और सुरक्षा के लिए समझदारी से सही फैसला लेना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।